सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 26, नई दिल्ली । सोमवार, 08 अप्रैल 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

हमारी समस्याओं का समाधान तो केवल हमारे पास ही है दूसरों के पास तो केवल सुझाव है।

03 दिल्ली में आप पार्षदों की भागदौड़ शुरू, मेयर पद की दौड़ में ये नाम सबसे आगे
06 बढ़ती बीमारियों के बीच स्वास्थ्य-क्रांति की अपेक्षा
08 संकीर्तन से होता हैं प्रभु का साक्षात्कार :- महंत मोहन शरण शास्त्री

दिल्ली परिवहन विभाग या विशेष परिवहन आयुक्त, कौन दिल्ली की जनता को सुरक्षित और विश्वसनीय वाहन सेवा नहीं देना चाहता

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन विभाग में विशेष परिवहन आयुक्त के पद पर कार्यरत शहजाद आलम सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी गैजेट नोटिफिकेशन, उच्चतम न्यायालय/उच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेश/ दिशा-निर्देश और मोटर वाहन नियम/अधिनियम/धाराओ से नहीं सिर्फ अपनी इच्छा को ही कानून मान कर कार्य कर रहे हैं और अचंबा यह की परिवहन आयुक्त, मुख्य सचिव और उपराज्यपाल सब जानकार भी चुप रहकर सब कुछ होने दे रहे हैं। आखिर क्यों ? कही ऐसा तो नहीं की दिशा निर्देश ही उनके द्वारा है जिन्हे इस पर कार्यवाही करना बनता है। किसी भी राज्य में राज्य सरकार/ राजकीय परिवहन विभाग वाहनों पर सुरक्षा की दृष्टि से परमिट कंडीशन लगाती हैं और वाहन उन कंडीशन को पूरा कर रहा है या नहीं की जांच का पहला जिम्मा वाहन निरीक्षण शाखा और उसके बाद प्रवर्तन शाखा का होता है पर विशेष परिवहन आयुक्त द्वारा इस तरह के निरीक्षण से दोनो ही शाखाओं को मुक्त कर दिया है, क्या इससे जनता को सुरक्षा मुहैया होगी बड़ा सवाल ? इस जैसे नियम की बाहर आदेश पारित करते रहना और अपनी चिर परिचित को अपने ही द्वारा रुकवाए गए कार्यों को ब्रांचों से करवा कर दिलवाना इनकी दूसरी विशेषता है। क्या अर्थ लगाए इस कार्यशैली से दिल्ली के वाहन मालिक और कैसे बनाए इनसे ऐसी मित्रता ?

@ +91 98996 94470 @ DCP Traffic @ +91 70872 99606
हमारे फरीदाबाद के डीटीओ साहब ,नेशनल हाईवे एवं फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस के बड़े अधिकारियों से निवेदन है कृपया केली गांव के नीचे जिसको मुंबई एक्सप्रेस हाईवे पर जाना है वह उल्टा चल रहा है, बाइके भी चल रही हैं और यहां पर हमने देखा रोजाना जाम लगा रहता है कृपया इस पर विशेष ध्यान दें।

दिल्ली परिवहन मंत्री से फरियाद, आखिर क्या ?

दिल्ली सरकार में दिल्ली परिवहन मंत्री श्री कैलाश गहलौत जी, अगर आप सचमुच दिल्ली की जनता के हितैषी हो तो कृपया करके आम आदमी की तरह दिल्ली में किसी बस स्टॉप पर दोपहर 11-00 बजे से 3 बजे तक खड़े होकर देखें। आपकी परिवहन निगम की बसों कि व्यवस्था कैसी है। एक से दो घण्टे बसों के दर्शन नहीं होते हैं। अगर कोई बस आ भी जाए। तो वो बस स्टॉप पर रुकती नहीं है। यात्री हाथ देते रहे जातें हैं। और बस ड्राइवर टाटा करता बस को भगा ले जाता है। और देखने को मिला है। कि किसी बस स्टॉप पर अगर महिलाएं ज्यादा है। पुरुष कम है। तो भी बसें स्टाप पर नहीं रुकते हैं। चार बजे से एक ही रुट नंबर की तीन तीन बसें दौड़ती है।
एक बार फिर से मेरा दिल्ली परिवहन मंत्री जी से नम्र निवेदन है कि इस ओर ध्यान दें।

राजेश प्रजापति, पूर्व प्रत्याशी,
दिल्ली विधानसभा, दिल्ली

चलती ट्रेन में तबीयत खराब होने पर आप इस तरह रेलवे से पा सकते हैं मेडिकल हेल्प

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। ट्रेन से सफर करते समय अक्सर ऐसा होता है कि किसी की तबीयत खराब हो जाती है। ट्रेन से सफर करते समय अक्सर ऐसा होता है कि किसी की तबीयत खराब हो जाती है। भारतीय रेलवे में प्रतिदिन लाखों-करोड़ों लोग यात्रा करते हैं, इसलिए किसी भी यात्री को यात्रा के दौरान कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। भारतीय रेलवे चलती ट्रेन में बीमारी की स्थिति में चिकित्सा सहायता की सुविधा प्रदान करती है साथ ही कई बार मौसम में बदलाव के कारण भी यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। आज इस आर्टिकल की मदद से हम आपको बताने जा रहे हैं कि चलती ट्रेन में अगर कोई बीमार पड़ जाए तो उसे मेडिकल सुविधा कैसे मिलेगी ? कुछ ट्रेनों, विशेषकर लंबी दूरी की ट्रेनों में डॉक्टर मौजूद रहते हैं। डॉक्टर के बारे में जानकारी लेने के लिए आप ट्रेन में टीटीई से संपर्क कर सकते हैं। इसके तहत डॉक्टर आपको प्राथमिक उपचार और जरूरी दवाएं मुहैया करा सकते हैं।

रेलवे हेल्पलाइन नंबर पर करें कॉल

भारतीय रेलवे ने यात्रियों के लिए 24×7 हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध कराए हैं। भारतीय रेलवे का हेल्पलाइन नंबर 139 है, यह नंबर 12 भाषाओं में उपलब्ध है। ट्रेन से जुड़ी

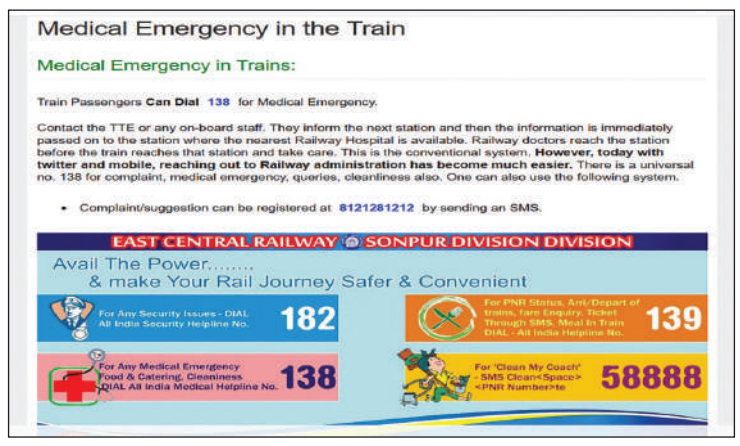

जानकारी 139 नंबर पर कॉल करके या एसएमएस भेजकर प्राप्त की जा सकती है। 139 पर कॉल करके यात्री पीएनआर स्टेटस, मेडिकल इमरजेंसी, ट्रेन दुर्घटना से संबंधित जानकारी, ट्रेन से संबंधित शिकायत जैसी कई जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा आप रेलवे सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर 182 पर कॉल करके भी मदद मांग सकते हैं।

100 रुपये का भुगतान करके डॉक्टर बुला सकते हैं

इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए यात्री को रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139, टीटीई या गार्ड को सूचित करना होगा। टीटीई (TTE) तुरंत कंट्रोल रूम को संदेश भेजकर अगले स्टेशन पर डॉक्टर की मांग करेगा। जैसे ही ट्रेन अगले स्टेशन पर पहुंचेगी, रेलवे डॉक्टर यात्री की जांच करेंगे। इस सुविधा के तहत डॉक्टर की फीस 100 रुपये होती है, दवाओं का खर्च अलग से देना होगा। इसके अलावा इलाज के बाद स्टाफ यात्री से 100 रुपये लेगा और ईएफटी यानी एक्सेस फेयर टिकट बनाकर पर्ची देगा। यदि स्टेशन पर डॉक्टर नहीं है तो पीड़ित यात्री की सहमति के बाद उसे स्टेशन पर उतारकर नजदीकी अस्पताल में भेजा जाएगा।

रेलवे द्वारा यात्रा के दौरान करवाई आपातकाल चिकित्सा

यह एक अद्भुत सेवा है जो रेलवे ट्रेन यात्रा के दौरान चिकित्सा आपातकाल के मामले में प्रदान कर रहा है। हाल ही में मेरे एक परिचित ने इसका उपयोग किया और पाया कि यह न केवल उत्कृष्ट रूप से काम कर रहा है बल्कि बहुत सस्ता भी है। दिलचस्प बात यह है कि इसकी जानकारी रेलवे स्टाफ को भी नहीं है। आप सभी के साथ सुरक्षित रहने के लिए साझा कर रहा हूँ। ट्रेन में मेडिकल इमरजेंसी

ट्रेनों में मेडिकल इमरजेंसी:

ट्रेन यात्री मेडिकल इमरजेंसी के लिए 138 डायल कर सकते हैं।

टीटीई या किसी ऑन-बोर्ड स्टाफ से संपर्क करें। वे अगले स्टेशन को सूचित करते हैं और फिर सूचना तुरंत उस स्टेशन को भेज दी जाती है जहां निकटतम रेलवे अस्पताल उपलब्ध है। रेलवे के डॉक्टर ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचने से पहले ही स्टेशन पर पहुंच जाते हैं और देखभाल करते हैं. यह परंपरागत व्यवस्था है. हालाँकि, आज ट्विटर और मोबाइल से रेलवे प्रशासन तक पहुँचना बहुत आसान हो गया है। एक सार्वभौमिक संख्या है. शिकायत, चिकित्सा आपातकाल, पूछताछ, सफाई के लिए भी 138। कोई निम्नलिखित प्रणाली का भी उपयोग कर सकता है। 8121281212 पर एसएमएस भेजकर शिकायत/सुझाव दर्ज कराया जा सकता है।

विश्व स्वास्थ दिवस के मौके पर राम द्वारा मन्दिर प्रांगण में स्वास्थ जांच कैम्प एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। सेन्ट जोहन एम्बुलेंस ब्रिगेड नारायणा गांव न्यू दिल्ली जिला विंग ने विश्व स्वास्थ दिवस के मौके पर राम द्वारा मन्दिर प्रांगण में स्वास्थ जांच कैम्प एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। स्वास्थ कैम्प में करीब 250 स्थानीय निवासियों ने अपनी स्वास्थ जांच करवाई।

चित्रकला प्रतियोगिता में करीब 150 जूनियर व सीनियर बच्चों ने हिस्सा लिया आज के यूथ ने आजकल के प्रदूषण व गलत खान पान एवं स्वास्थ्य व हाइजीन को प्राथमिकता दी । बच्चों ने अपनी चित्रकला के द्वारा मानव समाज को स्वास्थ्य व हाइजीन के प्रति जागरूक किया। कैम्प में दिल्ली ब्रिगेड के अतिरिक्त आयुक्त डॉक्टर पी. के. राना, उपायुक्त श्री आर.के.खेर, श्री डी. एस. लामकोटी , श्री ओजस एस वालिया, श्री डी. के. शर्मा जी सहायक आयुक्त श्री जे.के. शर्मा, श्री एन. के. भट्टी, श्री ललता प्रशाद शर्मा, श्री पी. डी. वर्खिया जी कोर्प्स ऑफिसर श्रीमती मोनिका जी उपस्तिथ रहे। कैम्प का आयोजन नई दिल्ली जिला के सहायक आयुक्त श्री अरुण कुमार गुप्ता जी की टीम द्वारा किया गया। कोर्प्स कमांडर डॉक्टर बिजेंद्र, कोर्प्स कमांडर श्री अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

चरणस्पर्श फाउंडेशन ने "सड़क के संरक्षक: सुरक्षा के लिए सशक्त समुदाय" थीम का अनावरण करते हुए पहले युवा सड़क सुरक्षा शिखर सम्मेलन 2024 की सफलतापूर्वक मेजबानी की

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। डॉ अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में सुरक्षित सड़क वातावरण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित शिखर सम्मेलन में युवाओं के लिए चरणस्पर्श फाउंडेशन के प्रभावशाली सड़क सुरक्षा अभियानों पर गहन चर्चा और प्रस्तुतियाँ दी गईं। समुदाय को सशक्त बनाने पर ध्यान देने के साथ, फाउंडेशन का लक्ष्य युवा पीढ़ी के बीच सड़क सुरक्षा पहलों में सक्रिय रूप से योगदान देने और उनका पालन करने के लिए जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना पैदा करना है। भारत सरकार के माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी ने छात्रों और प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा, "सड़क सुरक्षा के लिए कानून लागू है, लेकिन कोई प्रासंगिक परिणाम नहीं हैं। इसके पीछे इंसान का व्यवहार सबसे अहम कारण है. लेन अनुशासन का पालन करना, जैसे गाड़ी चलाते समय कॉल से बचना, हेलमेट पहनना, शराब पीकर गाड़ी चलाने से बचना और लाल बत्ती पर रुकना, सड़क दुर्घटनाओं को कम कर सकता है। यदि ट्रक चालक सड़क सुरक्षा नियमों और विनियमों का पालन करने का संकल्प लें, तो सड़क सुरक्षा की स्थिति में सुधार किया जा सकता है और मीडिया नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शशांक जयसवाल, आईपीएस, डीसीपी, दिल्ली पुलिस ने कहा, "हमें हमेशा उन लोगों का आभारी रहना चाहिए जिनसे हमने सीखा है। दिल्ली पुलिस नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास करती है और घटनाओं का विश्लेषण करके ब्लैक स्पॉट की पहचान करती है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, यह आवश्यक है कि नागरिक भी नियमों और विनियमों का पालन करके और पुलिस का समर्थन करके सामूहिक जिम्मेदारी लें, जिससे अंततः सड़कों और राजमार्गों की बेहतरी होगी। चरणस्पर्श फाउंडेशन की चेयरपर्सन माया ठाकुर, जो सड़क सुरक्षा पर शिखर सम्मेलन और अभियान में सबसे आगे रही हैं, ने कहा कि इस वर्ष का शिखर सम्मेलन जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियों की श्रृंखला को दर्शाता है। पूरे रास्ते में, हम अपने मूल्यवान पुलिस बल, ड्राइवरों, युवाओं और आम जनता के लिए चिकित्सा स्वास्थ्य जांच की पेशकश करेंगे। यह पहल न केवल सड़क क्षेत्र बल्कि हमारे नागरिकों और समुदाय की समग्र भलाई के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को उजागर करती है। उन्होंने अपने दृष्टिकोण के बारे में आगे कहा कि हमारे समाज की विविधता और जीवंतता का जश्न मनाने के लिए कई सांस्कृतिक कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। यह महत्वपूर्ण प्रदर्शन एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों और विनियमों के बारे में नहीं है बल्कि समुदाय की साझा जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने के बारे में भी है।

आईसीई (आई) के अध्यक्ष और चरणस्पर्श फाउंडेशन के ट्रस्टी डॉ. एस.एल. स्वामी ने कहा, "सड़क सुरक्षा सभी हितधारकों की चिंता है। भारत में सबसे अधिक दुर्घटनाएँ होती हैं, और नियंत्रण उपाय करने की आवश्यकता है, जैसे युवाओं को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूक करना, जिसे कार्यशालाओं, स्कूलों और कॉलेजों में पाठ्यक्रम को अद्यतन करने और सबसे महत्वपूर्ण रूप से एक जिम्मेदार होने के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। नागरिक ।इ उत्साह के साथ, 24 स्कूल और कॉलेज सक्रिय रूप से आज के शिखर सम्मेलन के लिए एक महीने तक चलने वाले अभियान में शामिल हुए। सैकड़ों की संख्या में छात्रों ने जिम्मेदार नागरिकों और सड़क सुरक्षा के समर्पित अभिभावकों की भूमिका निभाने का उत्साहपूर्वक संकल्प लिया। यह सामूहिक प्रतिबद्धता न केवल संख्या में, बल्कि प्रत्येक छात्र द्वारा इस उद्देश्य के लिए लाए गए वास्तविक समर्पण में भी प्रतिबिंबित होती है। आज का शिखर सम्मेलन उनके अटूट प्रयासों का एक प्रमाण है, जो एक सुरक्षित और अधिक जिम्मेदार सड़क वातावरण तैयार करने के लिए समर्पित एक व्यापक सामुदायिक गठबंधन की शुरुआत का संकेत देता है।

एक प्रतिष्ठित सड़क सुरक्षा और रसद विशेषज्ञ, आपूर्ति श्रृंखला पेशेवर डॉ. अंकुर शरण ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और दुर्घटना मुक्त भारत प्राप्त करने की दिशा में सड़क सुरक्षा पहल में युवाओं की उत्साही भागीदारी और महत्वपूर्ण भूमिका से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने सुरक्षित भविष्य के लिए सड़क सुरक्षा अभियान में युवाओं की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया।

आरजे उल्टापुल्टा नितिन रेडियो बिग एफएम द्वारा भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, श्री नितिन जयराम गडकरी के साथ इंटरैक्टिव सत्र 'जन की बात' सफलतापूर्वक मेजबानी की।

चैत्र नवरात्र स्थापना:- 09 अप्रैल 2024, मंगलवार

चैत्र शुक्ल (बसंत नवरात्र) शुक्ल प्रतिपदा दिनांक 09 अप्रैल 2024 को चैत्र नवरात्र प्रारंभ होंगे। इसी दिन से नवसंवत्सर 2081 प्रारंभ हो जाएगा।

कलश स्थापना मुहूर्त-:

09 अप्रैल 2024 मंगलवार, समय दिन के 12:04 से दोपहर 12:54 तक कलश स्थापना का मुहूर्त रहेगा, कुल अवधि 50 मिनट की रहेगी।

शास्त्र मतानुसार प्रतिपदा के दिन चित्रा नक्षत्र व वैधृति योग को टालकर घट् स्थापना करनी चाहिए। यदि चित्रा नक्षत्र व वैधृति योग या दोनों में से कोई एक भी संपूर्ण दिन व्याप्त रहे तो 'अभिजीत मुहूर्त' में घट स्थापना करनी चाहिए। इस वर्ष बसंत नवरात्र प्रारंभ के दिन वैधृति योग दिन के 2:18 तक होने से अभिजीत समय में घट् स्थापना का सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त रहेगा जिसका समय दिन में 12:04 से दोपहर 12:54 तक रहेगा।

नवरात्रि कलश स्थापित करने की दिशा और स्थान-: कलश को उत्तर या फिर उत्तर पूर्व दिशा में रखें। जहां कलश बैठाना हो उस स्थान पर पहले गंगाजल के छींटे मारकर उस जगह को पवित्र कर लें। इस स्थान पर दो इंच तक मिट्टी में रेत और सप्तमृतिका मिलाकर एक सार बिछा लें। कलश पर स्वास्तिक चिह्न बनाएं और सिंदूर का टीका लगाएं। कलश के गले में मौली लपेटें।

कैसे करें कलश स्थापना-:

नवरात्रि की पूजा में कलश स्थापना का विशेष महत्व है. कलश को श्रीविष्णु का रूप माना जाता है, इसलिए नवरात्रि से पहले घटस्थापना या कलश स्थापना की जाती है। कलश स्थापना अगर शुभ मुहूर्त में की जाए तो इसका विशेष फल मिलता है। कलश स्थापना से पहले घर के मंदिर को अच्छी तरह से साफ कर लें. इसके बाद पूजा के स्थान पर लाल कपड़ा बिछाएं. कलश के लिए वैसे तो मिट्टी का कलश सबसे शुभ होता है लेकिन अगर वो नहीं है तो तांबे का कलश भी चलेगा. इसे लगातार 9 दिनों तक एक ही स्थान पर रखा जाता है. कलश में गंगा जल या स्वच्छ जल भर दें. अब इस जल में सुपारी, इत्र, दूर्वा घास, अक्षत और सिक्का डालें. इसके बाद कलश के किनारों पर अशोक या आम के पत्ते रखें और कलश को ढक्कन से ढक दें. एक नारियल पर लाल कपड़ा या चुन्नी लपेट दें. अब नारियल और चुन्नी को रक्षा सूत्र या मोली से बांधें. इसे तैयार करने के बाद चौकी या जमीन पर जौ वाला पात्र (जिसमें आप जौ बो रहे हैं) रखें. अब जौ वाले पात्र के ऊपर मिट्टी का कलश और फिर कलश के ढक्कन पर नारियल रखें।

उसके बाद आप विधि विधान से पाठ- पूजा उपासना करें, माता का ध्यान स्मरण करें व मंत्र जप करें, माता के प्रसाद का भोग लगाएं और माता की आरती करें।।

अश्व पर होगा आगमन-:

इस बार चैत्र नवरात्र में मां दुर्गा का आगमन अश्व पर होगा व प्रस्थान हाथी पर होगा।

नवरात्र में पूजा- पाठ-:

नवरात्र के दौरान दुर्गा सप्तशती के पाठ के साथ- साथ रामचरितमानस के पाठ भी विशेष शुभ फलदाई रहतें हैं। इस दौरान आप किसी मंत्र का भी विधिवत अनुष्ठान कर सकते हैं।

माता को लाल पुष्प अतिप्रिय-:

नवरात्र के दौरान माता को लाल पुष्प जैसे- गुलाब गुड़हल इत्यादि अर्पित करें और इसके साथ-साथ माता को लाल चुनरी की साड़ी भी अर्पित करें।

मजबूत और स्थिर रिश्ते के लिए पार्टनर के साथ अच्छी बॉन्डिंग जरुरी, इन टिप्स से होगी स्ट्रॉन्ग

एक स्ट्रॉन्ग बॉन्डिंग न केवल रिलेशनशिप को मजबूती देती है, बल्कि इसके जरिए कपल को एक-दूसरे की भावनाओं और जरूरतों को समझने में मदद मिलती है। हम आपको पार्टनर के साथ स्ट्रॉन्ग बॉन्डिंग बनाने के कुछ महत्वपूर्ण टिप्स बताएंगे जो आपके रिलेशनशिप को गहराई और मजबूती से भर देंगी।

पार्टनर के साथ एक मजबूत और गहरी बॉन्डिंग जीवन में एक सफल और खुशहाल रिलेशनशिप बनाने का एक महत्वपूर्ण पहलू है। जब दो लोगों के बीच गहरा संबंध होता है तो उनके बीच एक स्पेशल समर्थन और समझदारी होती है, जो उन्हें करीब ला देता है और समय के साथ रिश्ते को और भी मजबूत बनाता है। एक स्ट्रॉन्ग बॉन्डिंग न केवल रिलेशनशिप को मजबूती देती है, बल्कि इसके जरिए कपल को एक-दूसरे की भावनाओं और जरूरतों को समझने में मदद मिलती है। इस आर्टिकल में हम आपको पार्टनर के साथ स्ट्रॉन्ग बॉन्डिंग बनाने के कुछ महत्वपूर्ण टिप्स बताएंगे जो आपके रिलेशनशिप को गहराई और मजबूती से भर देंगी।

पार्टनर के साथ खुली बातचीत को बढ़ावा दें

अपने पार्टनर के साथ सच्चे और संवाद करने की प्रेरणा को बढ़ावा दें। खुले दिल से बातचीत करने से आप एक-दूसरे को बेहतर समझ सकते हैं और अपने विचारों और भावनाओं को साझा कर सकते हैं।

पार्टनर के साथ अच्छी साझेदारी कायम करें

रिलेशनशिप में साझेदारी को महत्व दें। आप दोनों मिलकर निर्णय लें, संघर्षों का सामना करें, और साझा सपनों और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सहयोग करें।

पार्टनर का हर मुद्दे पर समर्थन करें

अपने पार्टनर के सपनों और उत्साहों का समर्थन करें, उनकी चुनौतियों को समझें, और उनके साथ सामंजस्य बनाए रखने का प्रयास करें। समझदारी और समर्थन के बिना, एक स्थायी और गहरा संबंध संभव नहीं है।

पार्टनर के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताएं

अपने पार्टनर के साथ समय बिताने का समय निकालें। समय को एक-दूसरे के साथ बिताना, साथ ही गतिशील और स्वाभाविक रिश्तों को बनाए रखता है।

पार्टनर के साथ संतुलन बनाएं रखना जरुरी

रिश्ते में संतुलन को बनाए रखने के लिए समय, संवाद, और समर्थन का महत्व है। एक-दूसरे के जीवन के विभिन्न पहलुओं में समानता और संतुलन बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

विक्रम संवत हिन्दू नववर्ष व माँ आदिशक्ति के सभी रूपों की आराधना - उपासना के महापर्व नवरात्रि और रामनवमी की सभी को अग्रिम शुभकामनाएं : वरिष्ठ समाजसेवी राजेश खुराना

देवी की आराधना का पवन और पवित्र पर्व मंगलवार 9 से 17 अप्रेल तक हर्षोल्लास से मनाया जायेगा। इस बार मंगलकारी रेवती - अश्वनी नक्षत्र के साथ सर्वार्थ और अमृत सिद्धि योग में जगत जननी जगदम्बा माँ घोड़े पर सवार होकर आ रही हैं। इस दौरान कई विशेष लाभकारी और मंगलकारी योग बनेगें। इस अवसर बन रहे योग को उपासना का अक्षय फल देने वाला बताया गया हैं। महिलाएं अखंड सौभाग्य की कामना के लिए व्रत रखकर 108 संकल्प परिक्रमा करें तथा गरीबों को दान पुण्य करके बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त करें।

इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी राजेश खुराना ने विक्रम संवत हिन्दू नववर्ष व माँ आदिशक्ति के सभी रूपों की आराधना - उपासना के महापर्व नवरात्रि की सभी को अग्रिम शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि यह नववर्ष व नवरात्रि सभी के जीवन में सुख, शांति एवं सौभाग्य लाये। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि पर जगत जननी माँ जगदम्बा सर्वार्थ और अमृत सिद्धि योग में घोड़े पर सवार होकर स्वर्गलोक से पृथ्वी पर आ रही हैं। 9 दिनों तक अपने भक्तों को आशीर्वाद देकर उनकी हर एक परेशानियों को दूर करने।भारतीय परम्परा में नवरात्रि का आयोजन देवी के नौ स्वरूपों के माध्यम से शक्ति, ज्ञान तथा ऐश्वर्य के तीन महत्वपूर्ण पक्षों को प्रकट करता हैं। यह मातृशक्ति के प्रति प्रत्येक भारतीय के मन में विश्वास और सम्मान का प्रतिक हैं। नवरात्रि का आयोजन देवी के नौ स्वरूपों के माध्यम से शक्ति, ज्ञान तथा ऐश्वरय के तीन महत्वपूर्ण पक्षो को प्रगट करता हैं। चैत्र नवरात्र जीवन में हमें इस बात की प्रेरणा देते है कि कोई भी कार्य असम्भव नहीं है, बस राष्ट्रवादी सोच और बेहतर प्रयास की आवश्यकता है। हमारे देश में प्रत्येक क्षेत्र में सम्भावनाएं हैं। इसलिए समाज में देवी की प्रतीक महिलाओं के सम्मान के कार्यों को आगे बढ़ाएं, तो वे समाज में नई प्रेरणा बनेंगे। यह कार्य आधी आबादी को स्वावलम्बन की दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं। यह समाज व हम सब की जिम्मेदारी है।

श्री खुराना ने आगे कहा हम कोई भी ऐसा इनीशिएटिव लेंगे जो समाज के सम्मान और स्वावलंबन से जुड़कर व्यापक जागरूकता का कारण बनेगा, तो उसको राष्ट्रव्यापी बनने में देर नहीं लगती। कार्य करने की इच्छा शक्ति और सरकार का समर्थन होना आवश्यक है। प्रशासन सकारात्मक भाव से महिलाओं के साथ खड़ा हो जाए तो वह कुछ भी कर सकती हैं। देश और प्रदेश की आधी आबादी को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए और समाज में देवी की प्रतीक महिलाओं के सम्मान के कार्यों को आगे बढ़ाएं तो वे समाज में नई प्रेरणा बनेंगे। समाज में नारी सशक्तिकरण के लिए स्वावलंबन बेहद जरूरी हैं। स्वावलंबन नारी सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। महिलाओं को भी नौकरियों के मोह पर आश्रित करने की बजाय स्वरोजगार अपनाना चाहिए, तभी आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हो सकेगा। स्वावलंबी होने से महिलाओं का स्वाभिमान और आत्मसम्मान बढ़ता है, साथ ही वह प्रतिकूल परिस्थितियों को नकारने की क्षमता भी हासिल कर लेती हैं। आर्थिक दृष्टि से स्वावलंबी होने से महिलाओं को हीन भावना से भी मुक्ति मिलती है। इसलिए आज के युग में महिला शक्ति को परजीवी ना होकर स्वावलंबी बनना चाहिए ताकि महिलाएं अपने परिवार की आर्थिक समृद्धि बढ़ाने में पूर्ण रूप से भी सहयोगी बन सकें।बस बेहतर प्रयास की आवश्यकता है। प्रत्येक क्षेत्र में अपार सम्भावनाएं हैं। उन सम्भावनाओं को समय से चुनते हुए कार्य करेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। यह सभी कार्य एक सुरक्षित वातावरण में ही सम्भव हैं। इसी विचार के साथ एक बार पुनः माँ आदिशक्ति के सभी रूपों की आराधना - उपासना के महापर्व चैत्र नवरात्रि और रामनवमी की सभी को अग्रिम हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

तलाक के बाद पिता को दुश्मन मानने लगते हैं बच्चे, मम्मी के साथ मजबूत हो जाती है बॉन्डिंग, रिसर्च में हुआ खुलासा

तलाक के बाद बच्चे किसके साथ रहना चाहते हैं? इसपर जर्मनी की एक रिसर्च सामने आयी है, जिसमें चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। रिसर्च के मुताबिक, तलाक के बाद ज्यादातर बच्चे अपनी मम्मी के साथ रहना कहते हैं और ज्यादातर अपने पिता को तलाक का दोषी मानते हैं।

अपनी शादी को तोडना और जीवनसाथी से अलग होने का फैसला करना किसी के लिए भी आसान नहीं होता है। लेकिन कई बार परस्थितियां ऐसी हो जाती है कि लाख कोशिश करने के बाद भी रिश्ता संभालता नहीं है और आखिर में तलाक लेना ही एकमात्र विकल्प बचता है। तलाक का दौर एक कपल के लिए भावनात्मक उथल-पुथल से भरा होता है। वे जब तलाक लेने की प्रक्रिया में आगे बढ़ते हैं तो वे विफलता, हानि और अकेलेपन की भावनाओं से जूझते हैं। तलाक का असर न सिर्फ कपल पर बल्कि उनके बच्चों पर भी पड़ता है। माता-पिता को अलग होते देखना बच्चों के लिए कठिन अनुभव होता है। इस दौरान बच्चे डरे हुए, उदास और भ्रमित महसूस करने लगते हैं। ये समय बहुत परेशान करने वाला होता है।

तलाक के बाद माता या पिता में से एक को बच्चे की कस्टडी मिलती है। बच्चों की कस्टडी के लिए माता-पिता में अच्छी बहसबाजी देखने को मिलती है। कोर्ट बच्चों की मर्जी पूछकर उनकी कस्टडी पर फैसला सुनाती है। ऐसे में सवाल उठता है कि तलाक के बाद बच्चे किसके साथ रहना चाहते हैं? इसपर जर्मनी की एक रिसर्च सामने आयी है, जिसमें चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। रिसर्च के मुताबिक, तलाक के बाद ज्यादातर बच्चे अपनी मम्मी के साथ रहना कहते हैं और ज्यादातर अपने पिता को तलाक का दोषी मानते हैं। इतना ही नहीं अगर बच्चे उम्र में बड़े हो तो वो अपने पिता से दुश्मनी भी ले लेते हैं।

तलाक के बाद, मां और उनकी बेटियों के बीच का रिश्ता सबसे गहरा होता है। जर्मनी के 'डेमोग्रैफिक रिसर्च इंस्टीट्यूट' द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह बात पता चली है। इस अध्ययन में तलाक के बाद मां-बेटी के बीच गहरा जुड़ाव देखा गया है। तलाकशुदा मां को अपनी बेटियों से सबसे अधिक सहारा मिलता है। यहां तक कि बेटियों को भी अपनी मां की ज्यादा जरूरत महसूस होती है। तलाक के बाद बेटे भी मां के करीब आ जाते हैं, लेकिन ये आकंड़ा बेटियों के पक्ष में है। अध्ययन में देखा गया कि बेटे और बेटियों दोनों में तलाकशुदा पिता के प्रति आक्रोश था। बेटों के मुकाबले बेटियों में यह आक्रोश अधिक होता है। इस अध्ययन से पता चलता है कि तलाक के बाद मां-बेटी के रिश्ते मजबूत हो सकते हैं, लेकिन पिता-बेटी के रिश्ते पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

यह रिसर्च मुख्य रूप से उन जोड़ों पर की गई थी, जिनकी उम्र 50 साल या इससे अधिक थी और जिनके बच्चे विचारने-समझने की उम्र में थे। रिसर्च ने दिखाया कि शादी जितनी पुरानी हो, तलाक उतना अधिक नकारात्मक प्रभाव डालता है। बड़ी उम्र के लोगों की सेहत, सामाजिक संबंध और जीवन के कई पहलू पार्टनर की मौजूदगी से तय होते हैं। इससे ढलती उम्र में तलाक, अकेलापन या पार्टनर की कमी अधिक नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। छोटे या कम उम्र के बच्चे तलाक के बाद अपने पेरेंट्स के बीच में ज्यादा फर्क नहीं करते, लेकिन जैसे-जैसे उनकी उम्र बढ़ती है, वे नकारात्मक विचार बढ़ाते हैं।

अगर आपके साथी में नहीं हैं ये गुण तो जल्द से जल्द उन्हें छोड़ दें

ग्रीन फ्लैग वाले लोग खुलकर संवाद करते हैं, रिश्ते और पार्टनर को महत्व देते हैं, सीमाओं का सम्मान करते हैं और एक संतुलित रिश्ते की नींव रखते हैं। ऐसे में आप खुद ही देखिए ऐसे लोग के साथ रिश्ते में निवेश करना आपके भविष्य के लिए कितना अच्छा है।

रिश्ते के गहरे समुंद्र में डुबकी लगाने से पहले जरुरी है कि हम अपने लिए सही पार्टनर का चुनाव करें। सही पार्टनर रिश्ते के साथ-साथ हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा होता है। इसलिए एक्सपर्ट्स जोर देकर लोगों को ग्रीन फ्लैग पार्टनर की तलाश करने को कहते हैं। अपने लिए सही पार्टनर को ढूंढ़ना रिश्ते की एक छोटी सी शुरुआत है, इसलिए इसमें जल्दबाजी करने की गलती बड़ी भूल साबित हो सकती है।

आज के समय में ग्रीन फ्लैग से भरा हुआ पार्टनर मिलना थोड़ा मुश्किल है। लेकिन अगर आपको एक ग्रीन फ्लैग पार्टनर मिल जाता है तो ये आपके भविष्य के लिए एक अच्छा निवेश साबित हो सकता है। ग्रीन फ्लैग वाले लोग खुलकर संवाद करते हैं, रिश्ते और पार्टनर को महत्व देते हैं, सीमाओं का सम्मान करते हैं और एक संतुलित रिश्ते की नींव रखते हैं। ऐसे में आप खुद ही देखिए ऐसे लोग के साथ रिश्ते में निवेश करना आपके भविष्य के लिए कितना अच्छा है। चलिए आपको कुछ अच्छे व्यवहारों बताते हैं, जो एक व्यक्ति को ग्रीन फ्लैग बनाते हैं।

खुला संचार- एक अच्छा पार्टनर खुले और स्वस्थ संचार को बढ़ावा देता है। स्वस्थ संचार में सक्रिय रूप से सुनना, विचारों और भावनाओं को खुले तौर पर व्यक्त करना और समझना शामिल है। इसके अलावा रिश्ते के झगड़ों को रचनात्मक रूप से हल करने वाले लड़के भी ग्रीन फ्लैग में आते हैं।

सम्मान और समर्थन- स्वस्थ रिश्ते के लिए आपसी सम्मान महत्वपूर्ण है। इसलिए अगर आपका पार्टनर आपकी राय, भावनाओं और सीमाओं को महत्व दे रहा है, तो ख़ुशी मनाये वो एक बड़ा ग्रीन फ्लैग है। एक-दूसरे के लक्ष्यों, आकांक्षाओं और व्यक्तिगत विकास का समर्थन कर लोग अपने रिश्ते की नींव मजबूत करते हैं। ऐसे रिश्ते लंबे टिकते हैं।

विश्वास और ईमानदारी- किसी भी स्वस्थ रिश्ते की नींव विश्वास पर टिकी होती है। अगर आपका पार्टनर आपके प्रति ईमानदार नहीं है और आप उसपर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं तो ये अच्छा नहीं है। ऐसे रिश्ते ज्यादा लंबे नहीं चलते हैं। अगर आपका पार्टनर ग्रीन फ्लैग है तो वो आपके प्रति हमेशा ईमानदार रहेगा और आप भी उनके साथ हमेशा सुरक्षित महसूस करेंगे।

समानता और संतुलन- स्वस्थ रिश्ते आपसी सम्मान और समानता पर आधारित होते हैं। ग्रीन फ्लैग पार्टनर कभी भी आप पर हावी होने की कोशिश नहीं करेगा और न ही वह कभी आपको नियंत्रित करने की कोशिश करेगा। ग्रीन फ्लैग पार्टनर रिश्ते के लिए जो भी फैसले लेगा वो दोनों व्यक्तियों की जरूरतों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए लेगा। इस बात पर जरूर गौर फरमाएं।

दिल्ली में आप पार्षदों की भागदौड़ शुरू, मेयर पद की दौड़ में ये नाम सबसे आगे

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली नगर निगम के मेयर चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी के पार्षदों की भागदौड़ फिर शुरू हो गई है। चूंकि इस वर्ष मेयर पद अनुसूचित जाति के पार्षद के लिए आरक्षित है इसलिए प्रत्याशी का चुनाव आरक्षित श्रेणी से ही किया जाना है लेकिन अन्य सीट जैसे उप मेयर और नेता सदन जैसे पद पर भी अन्य सामान्य श्रेणी के पार्षदों की नजर हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के मेयर चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) के पार्षदों की भागदौड़ शुरू हो गई है। सीएम अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के बाद आप पार्षदों को एकजुट रखने के साथ ऐसे पार्षदों को इस पद के लिए चुनना भी किसी मशक्कत से कम नहीं है, जिसपर सभी पार्षदों की सहमति बन जाए।

संजय सिंह के परिवार की काफी करीबी हैं सारिका चौधरी

चूंकि इस वर्ष मेयर पद अनुसूचित जाति के पार्षद के लिए आरक्षित है, इसलिए प्रत्याशी का चुनाव आरक्षित श्रेणी से ही किया जाना है, लेकिन अन्य सीट जैसे उप मेयर और नेता सदन जैसे पद पर भी अन्य सामान्य श्रेणी के पार्षदों की नजर हैं। दिल्ली नगर निगम के मेयर चुनाव के लिए आप पार्षदों में दरियागंज वार्ड से पार्षद सारिका चौधरी का नाम सामने आ रहा है।

पार्षद ज्योति प्रकाश जारवाल भी इस दौड़ में शामिल

सूत्र बताते हैं कि वह आप नेता संजय सिंह के परिवार की काफी करीबी हैं। चूंकि संजय सिंह अब जेल से बाहर आ गए हैं तो उनकी दावेदारी और ज्यादा मजबूत हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, तिगड़ी से दूसरी बार की पार्षद ज्योति प्रकाश जारवाल भी इस दौड़ में शामिल हैं। उनके पति प्रकाश जारवाल देवली से विधायक हैं।

प्रेम चौहान का नाम भी मेयर पद की दौड़ में

इसी विधानसभा से दक्षिणपुरी वार्ड से दूसरी बार के पार्षद और पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रेम चौहान का नाम भी मेयर पद की दौड़ में हैं। पूर्वी दिल्ली के सुंदर नगरी वार्ड से पार्षद मोहिनी जिंदवाल, सिविल लाइंस वार्ड से पार्षद विकास, घड़ौली से प्रियंका गौतम और पुल प्रहलादपुर से पार्षद राकेश लोहिया का नाम दौड़ में शामिल है।

पार्षदों में असंतोष

दिल्ली नगर निगम में दो वर्ष से न तो वार्ड कमेटियों का गठन हुआ है और न ही शिक्षा के साथ ग्रामीण जैसी वैधानिक कमेटी का गठन हुआ है। इतना ही नहीं 25 से ज्यादा तदर्थ और विशेष समितियां हैं, उनमें भी पार्षद सदस्य से लेकर चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन चुने जाते थे, लेकिन स्थायी समिति का गठन न होने की वजह से पार्षद नाखुश हैं। पहले वर्ष का मेयर चुनाव चूंकि महिला पार्षद के लिए आरक्षित था तो डॉ. शैली ओबेराय चुनाव मैदान में उतरीं। तब पार्टी ने पूरी ताकत उनको जिताने के लिए लगा दी। पर डेढ़ वर्ष से ज्यादा समय होने के बाद ज्यादातर पार्षदों को निगम में कोई अहम जिम्मेदारी नहीं मिली है इसलिए आप पार्षदों में इसको लेकर असंतोष हैं।

पार्षदों पर हैं पार्टियों की नजर

भाजपा और आप के साथ कांग्रेस पार्टी अपने-अपने पार्षदों पर नजर रख रही हैं। चूंकि बहुमत तो आप के पास है, लेकिन इस समय आप के लिए विपरीत परिस्थितियां हैं। इसलिए पार्षदों पर आप नेता नजर रखे हुए हैं। भाजपा भी अपने पार्षदों पर नजर बनाए हुए है।

सामान्य सीट पर सारिका चौधरी जीती हैं चुनाव

सारिका चौधरी दरियागंज वार्ड से पार्षद हैं। यह सामान्य सीट है। सारिका आरक्षित श्रेणी से संबंध रखती हैं। ऐसे में उनका नामांकन स्वीकार होगा या नहीं इस पर अभी स्पष्टता नहीं है। अभी तक अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीट से जीतकर आने वाले पार्षद ही मेयर बने हैं।

यह पहला मौका होगा जब कोई सामान्य सीट से जीतकर आने वाला पार्षद अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र लेकर इस पद के लिए दावेदारी करेगा। जाति प्रमाणपत्र जांचने का अधिकार निगम के पास नहीं है।

'हिम्मत है तो दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाकर दिखाओ, नेस्तनाबूद कर देंगे', मंत्री गोपाल राय ने दी बीजेपी को चुनौती

दिल्ली के मंत्री गोपाल राय ने जंतर-मंतर पर जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल कल भी जनता के लिए लड़ाई लड़ रहे थे और आज भी जनता के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं और यह लड़ाई जारी रहेगी। केंद्र की भाजपा सरकार ने हर वर्ग को परेशान किया गया है। विश्वविद्यालयों के छात्रों को परेशान किया है। किसानों को परेशान किया है।

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी के नेताओं ने रविवार को जंतर-मंतर पर एक दिन का सामूहिक भूख हड़ताल किया। मंत्री गोपाल राय ने इस दौरान सभा को संबोधित किया। उन्होंने बीजेपी को चुनौती देते हुए कहा कि यदि हिम्मत है तो दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाकर दिखाओ। हम तुम्हें नेस्तनाबूद कर देंगे।

गोपाल राय ने कहा कि केजरीवाल कल भी जनता के लिए लड़ाई लड़ रहे थे और आज भी जनता के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं और यह लड़ाई जारी रहेगी। केंद्र की भाजपा सरकार ने हर वर्ग को परेशान किया गया है। विश्वविद्यालयों के छात्रों को परेशान किया है। किसानों को परेशान किया है।

किसानों को किया परेशान: गोपाल राय

उन्होंने कहा कि किसानों को परेशान किया है। वे दिल्ली नहीं पहुंच सकें, इसलिए सड़कों पर कीलें गड़वा दी गईं। कहा था कि फसल की एमएसपी दी जाएगी, मगर अब दो साल बाद भी उन्हें फसलों की एमएसपी नहीं मिली है। अब फिर कीलों से उनका स्वागत किया गया है।

जंतर-मंतर पर लोगों की आवाज बुलंद होती रही

मंत्री गोपाल राय कहा कि हमें आज फक्र है कि इसी जंतर-मंतर आज हम उपवास पर बैठे हैं। इसी जंतर-मंतर पर पार्टी के गठन के समय पर एक आंदोलन को बल मिला था। इसी जंतर-मंतर पर लोगों की आवाज बुलंद होती रही है। आज पूरे भारत में उपवास हो रहा है।

बीजेपी के नेता विदेशों में इवेंट मैनेजमेंट कराते हैं: गोपाल राय

उन्होंने कहा कि आज आप कार्यकर्ता यही दुआ कर रहे हैं कि तुम अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को हिम्मत देना। भाजपा के नेता विदेश में जाते हैं तो इवेन्ट मैनेजमेंट के जरिए अपना प्रचार कराते हैं। मगर अरविंद केजरीवाल को किसी प्रचार की जरूरत नहीं है। आज विदेश में भी जनता केजरीवाल के साथ आ रही है।

निबंध प्रतियोगिता से 10 छात्राओं का हुआ चयन, नवरात्रि के 10 दिन एक-एक दिन के लिए बनेंगी डूसू अध्यक्ष

परिवहन विशेष न्यूज

डूसू ने महिला दिवस पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की थी। इसमें 5234 छात्राओं ने हिस्सा लिया। इनमें 10 नामों का चयन किया है। उन्हें डूसू अध्यक्ष बनने का मौका दिया गया है। उन्हें एक स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। सभी छात्राएं दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) की ओर से नवरात्र में 10 दिनों के लिए एक-एक कर डूसू अध्यक्ष बनेंगी।

नई दिल्ली। रात आठ बजे के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर के कुछ इलाके ऐसे हैं, जहां छात्राएं गुजर नहीं सकतीं। वहां अंधेरा ही पसरा रहता है। रोशनी की कोई व्यवस्था नहीं है। प्रवेश के वक्त छात्राओं को छात्रावास नहीं मिलते, उन्हें पीजी में जाना पड़ता है और वहां उन्हें सुरक्षित माहौल नहीं मिल पाता। इसलिए जरूरी है कि छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो और सभी को छात्रावास की सुविधा मिल सके।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) की ओर से नवरात्र में 10 दिनों के लिए डूसू अध्यक्ष बनने वाली छात्राओं ने इन मुद्दों पर काम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि वे इसके लिए डीयू के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपेंगी।

डीयू में रात में सुरक्षा एक चुनौती

नवरात्र के पहले दिन अध्यक्ष बनने जा रहीं, हिंदी विभाग की छात्रा ईशा अवाना ने कहा कि डीयू में रात में सुरक्षा एक चुनौती है। छात्राओं के साथ छेड़छाड़ और लूटपाट होने की संभावना बनी रहती है। ऐसे में वे बाहर नहीं निकल पातीं। जरूरी है कि यहां रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था हो और गार्ड की संख्या भी बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि उत्तरी परिसर में पानी की समस्या है। छात्रों को साफ पानी हर वक्त मिलना चाहिए। वे एक दिन में इसके लिए जरूर प्रयास करेंगी।

मुस्लिम छात्राओं की भागीदारी विश्वविद्यालय में कम

नौवें दिन डूसू अध्यक्ष बनने जा रहीं हंसराज कालेज की जैनब निगार ने कहा कि डूसू की पहल छात्राओं को राजनीति में लाने में महत्वपूर्ण होगी। छात्राएं राजनीति में कम सक्रिय रहती हैं, इसलिए उनको टिकट भी नहीं मिलते। इससे उन्हें राजनीति में भाग लेने की प्रेरणा मिलेगी। नवरात्र में ऐसे कदम का अच्छा असर होगा। मुस्लिम छात्राओं की भागीदारी विश्वविद्यालय में कम है, वे अध्यक्ष बनकर इसको लेकर जागरूकता लाने का काम करेंगी। 2008 के बाद से डूसू ने महिला अध्यक्ष देखी है।

प्लेसमेंट की हालत भी अच्छी नहीं

जैनब ने कहा कि छात्राओं की सबसे बड़ी समस्या छात्रावास है। कालेजों में लड़कियों के छात्रावास की कमी है। डीयू प्रशासन को इनकी संख्या बढ़ानी चाहिए। प्लेसमेंट की हालत भी अच्छी नहीं है। इसको लेकर काम होना चाहिए।

सत्यवती कालेज की साक्षी पटेल ने कहा कि कॉलेज में एक घंटे की कक्षा के बाद एक घंटे का ब्रेक होता है। इससे छात्रों का काफी समय बर्बाद हो जाता है। इसका समाधान की बात वे उठाएंगी। श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज की छात्रा श्यामा त्रिवेदी ने कहा, दिव्यांग छात्राओं की भागीदारी डीयू में हर क्षेत्र में कम है। इसको बढ़ाने के लिए काम होना चाहिए। वे ऐसी योजना देना चाहती हैं, जिससे इनकी भागीदारी बढ़ सके।

छात्रावास के लिए बने नियमावली

दौलतराम कालेज की छात्रा अंशिता चौहान ने कहा कि डीयू में छात्रावास सीमित हैं। छात्र पीजी का रुख करते हैं, लेकिन वहां किराया मनमाना है। वे चाहती हैं, इसके लिए नियमावली बने। वे सरकार से इस दिशा में काम करने की मांग उठाएंगी।

दिल्ली सरकार ने ड्राई डे का किया एलान, देखें कब-कब बंद रहेंगी शराब की दुकानें?

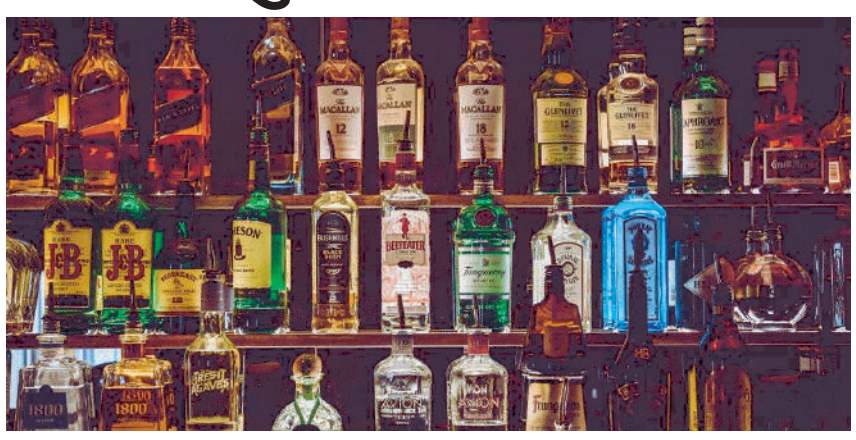

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली सरकार ने आगामी दिनों के लिए ड्राई डे की सूची जारी की है। आदेश के मुताबिक 11 अप्रैल को ईद 17 अप्रैल को रामनवमी 21 अप्रैल को महावीर जयंती 23 मई को बुद्ध पूर्णिमा और 17 जून को बकरीद के मौके पर दिल्ली में ड्राई डे रहेगा। वहीं दिल्ली से लगे यूपी के हिस्सों में लोकसभा चुनाव को देखते हुए ड्राई डे घोषित किया गया है।

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने शनिवार को एक आदेश जारी कर इस साल अप्रैल से जून के बीच ड्राई डे का एलान किया। धार्मिक उत्सवों और 2024 के लोकसभा चुनावों के कारण इन दिनों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) में शराब निषेध दिवस के रूप में नामित किया गया है।

दिल्ली सरकार के आबकारी विभाग के मुताबिक 11 अप्रैल को ईद, 17 अप्रैल को रामनवमी, 21 अप्रैल को महावीर जयंती, 23 मई को बुद्ध पूर्णिमा और 17 जून को बकरीद के मौके पर दिल्ली में ड्राई डे रहेगा। इस दौरान शराब की दुकानें बंद रहेंगी।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बंद रहेंगी दुकानें

वहीं विभाग ने बताया कि दिल्ली से लगे उत्तर प्रदेश के हिस्सों में लोकसभा चुनाव को देखते हुए ड्राई डे का आदेश जारी किया गया है। दिल्ली में 24 अप्रैल शाम 6 बजे से 26 अप्रैल शाम 6 बजे तक शराब की दुकानों पर ड्राई डे रहेगा।

दिल्ली में चुनाव के दौरान ड्राई डे

मतदान से पहले: 23 मई को शाम 6 बजे से 25 मई को शाम 6 बजे तक शराबबंदी लागू रहेगी, जिसमें मतदान समाप्त होने तक 48 घंटे शामिल होंगे।

मतगणना के दिन: लोकसभा चुनाव परिणाम दिवस के लिए 4 जून, 2024 को पूरे दिन ड्राई डे घोषित किया गया है।

दिल्ली बॉर्डर पर मतदान: उत्तर प्रदेश के बागपत, गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर जिलों के साथ लगती दिल्ली सीमा के 100 मीटर के दायरे में मतदान के कारण 24 अप्रैल को शाम 6 बजे से 26 अप्रैल को शाम 6 बजे तक अतिरिक्त ड्राई डे घोषित किए गए हैं।

सफदरजंग अस्पताल ने मनाया विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

इस महत्वपूर्ण अवसर के मुख्य अतिथि सफदरजंग अस्पताल में फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन (पीएमआर) विभाग के सम्मानित प्रमुख डॉ. अजय गुप्ता थे। उनकी उपस्थिति ने एएसडी से प्रभावित लोगों और उनके परिवारों का समर्थन करने के लिए चिकित्सा समुदाय की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। इस वर्ष की थीम, ₹ऑटिस्टिक आवाज़ों को सशक्त बनाना₹ के अनुरूप, इस कार्यक्रम ने ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम पर व्यक्तियों की आवाज़ और अनुभवों को बढ़ाने, उनके अद्वितीय दृष्टिकोण के लिए गहरी समझ और प्रशंसा को बढ़ावा देने की कोशिश की।

नई दिल्ली। सफदरजंग अस्पताल के पीएमआर विभाग ने 6 अप्रैल, 2024 को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस मनाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) वाले व्यक्तियों के लिए स्वीकृति, समावेशन और समझ को बढ़ावा देना है। इस महत्वपूर्ण अवसर के मुख्य अतिथि सफदरजंग अस्पताल में फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन (पीएमआर) विभाग के सम्मानित प्रमुख डॉ. अजय गुप्ता थे। उनकी उपस्थिति ने एएसडी से प्रभावित लोगों और उनके परिवारों का समर्थन करने के लिए चिकित्सा समुदाय की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। इस वर्ष की थीम, ₹ऑटिस्टिक आवाज़ों को सशक्त बनाना₹ के अनुरूप, इस कार्यक्रम ने ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम पर व्यक्तियों की आवाज़ और अनुभवों को बढ़ाने, उनके अद्वितीय दृष्टिकोण के लिए गहरी समझ और प्रशंसा को बढ़ावा देने की कोशिश की। दिन का मुख्य आकर्षण एक मनोरम पेंटिंग प्रतियोगिता थी जिसमें ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम पर 20 बच्चों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। उनकी जीवंत और अभिव्यंजक कलाकृतियाँ असीमित रचनात्मकता और क्षमता की एक शक्तिशाली अनुस्मारक के रूप में काम करती हैं जो प्रत्येक व्यक्ति के भीतर निहित होती है, चाहे उनके न्यूरोलॉजिकल मतभेद कुछ भी हों। ऑटिज़्म, एक आजीवन न्यूरोलॉजिकल स्थिति है जो प्रारंभिक बचपन के दौरान प्रकट होती है, जो लिंग, नस्ल और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को प्रभावित करती है। शब्द ₹ऑटिज्म स्पेक्ट्रम₹ कई विशेषताओं को संदर्भित करता है जिसमें अद्वितीय सामाजिक संपर्क, गैर-मानक सीखने की शैली, विशिष्ट विषयों में गहरी रुचि, दिनचर्या के प्रति झुकाव, विशिष्ट संचार में चुनौतियां और संवेदी जानकारी को संसाधित करने के विशेष तरीके शामिल हैं। "चिंताजनक रूप से, दुनिया के सभी क्षेत्रों में ऑटिज्म की दर अधिक है, और समझ की कमी का व्यक्तियों, उनके परिवारों और उनके समुदायों पर जबरदस्त प्रभाव पड़ता है। न्यूरोलॉजिकल मतभेदों से जुड़े कलंक और भेदभाव निदान और उपचार के लिए महत्वपूर्ण बाधा बने हुए हैं, एक ऐसा मुद्दा जिसे संबोधित किया जाना चाहिए, "डॉ. अजय गुप्ता ने कहा। कार्यक्रम में बोलते हुए, सुशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के श्री विजय कुमार झा ने एएसडी वाले व्यक्तियों के लिए एक अधिक सहायक और समावेशी दुनिया बनाने के महत्व पर जोर दिया। ₹आज, हम ऑटिज्म से पीड़ित लोगों के लिए स्वीकार्यता, समझ और समान अवसरों को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता में एकजुट हैं। उनकी आवाज को सशक्त बनाकर और उनके अद्वितीय दृष्टिकोण का जश्न मनाकर, हम एक ऐसे समाज को बढ़ावा दे सकते हैं जो तंत्रिका विविधता को अपनाता है और हर व्यक्ति को आगे बढ़ने की अनुमति देता है। ₹ इस आयोजन ने एएसडी वाले व्यक्तियों के अधिकारों और समावेशन की वकालत जारी रखने के उद्देश्य और दृढ़ संकल्प की भावना प्रदान की। इस कार्यक्रम में पीएमआर संकाय, श्री ने भाग लिया। सुशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के राहुल पाठक भाषण चिकित्सक, बच्चों और उनके परिवार के सदस्यों, चिकित्सा समाज कल्याण अधिकारी पूनम ढांडा ने कहा।

डीयू में पीएचडी में दाखिले को लेकर नए नियम, यूजीसी ने बताया अब कैसे मिलेगा एडमिशन

दिल्ली विश्वविद्यालय में नवीन सत्र से पीएचडी में दाखिले के लिए नए नियम जारी किए गए हैं। नए सत्र से नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट (नेट) को महत्व दिया जाएगा। नेट की परीक्षा पास छात्रों को प्रवेश का मौका दिया जाएगा। डीयू में पिछले साल एक कामन एंट्रेंस टेस्ट के जरिये पीएचडी में प्रवेश की प्रक्रिया अपनाई गई थी। यूजीसी की ओर से पीएचडी प्रवेश परीक्षा को लेकर नियम जारी किए हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में नवीन सत्र से पीएचडी में दाखिले के लिए नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट (नेट) को महत्व दिया जाएगा। नेट की अर्हता को पूरा करने वाले छात्रों को प्रवेश का मौका दिया जाएगा। डीयू में पिछले साल एक कामन एंट्रेंस टेस्ट के जरिये पीएचडी में प्रवेश की प्रक्रिया अपनाई गई थी।

हाल में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से पीएचडी प्रवेश परीक्षा को लेकर नए नियम जारी किए हैं। जिसके तहत प्रवेश के लिए नेट को अनिवार्य कर दिया गया है। यूजीसी ने कहा है कि यूजीसी नेट- सीएसआइआर नेट पास छात्र पीएचडी में प्रवेश ले सकते हैं। जिन्होंने जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) ली है, वे भी सीधे प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं।

नेट की योग्यता को मिलेगा 70 प्रतिशत वेटेज

नए नियमों के मुताबिक पीएचडी प्रवेश के लिए नेट की योग्यता को 70 प्रतिशत और साक्षात्कार को 30 प्रतिशत वेटेज दिया जाएगा। इसके आधार पर ही प्रवेश होगा। अब डीयू भी इसी प्रक्रिया को अपनाने की तैयारी कर रहा है। हालांकि, नए नियम को लागू करने से पहले अकादमिक और कार्यकारी परिषद की स्वीकृति ली जाएगी।

पिछले वर्ष डीयू पीएचडी में प्रवेश के लिए कामन एंट्रेंस टेस्ट में शामिल हुआ था। इसके अंकों और साक्षात्कार के आधार पर छात्रों को प्रवेश दिए गए। हालांकि नेट और जेआरएफ उत्तीर्ण छात्र सीधे प्रवेश के लिए आवेदन पहले भी करते थे। शेष बची सीटों के लिए एंट्रेंस टेस्ट लिया गया, लेकिन डीयू में पीएचडी में प्रवेश के लिए अलग-अलग विभागों ने स्वयं की प्रक्रिया अपनाई।

डीयू के एक प्रोफेसर ने कहा कि डीयू में इस वर्ष पीएचडी प्रवेश में एकरूपता नहीं रही। नेट के जरिये प्रवेश के नियम से एकरूपता आ जाएगी। इस वर्ष 1655 छात्रों का वि. में पीएचडी में प्रवेश हुआ है।

एसएयू में आवेदन की तिथि 10 अप्रैल तक बढ़ाई गई

साउथ एशियन यूनिवर्सिटी (एसएयू) में नए अकादमिक सत्र 2024- 25 के लिये प्रवेश के लिए आवेदन की तिथि अब 10 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च थी। अन्य सार्क देशों के छात्रों की मांग पर आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई गई है। समस्त सार्क देशों से विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए अब तक पांच हजार से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं।

कस्टम अधिकारी बन एयरपोर्ट पर विदेश से आए यात्रियों को बनाता था शिकार , चार गिरफ्तार

परिवहन विशेष न्यूज

ठगी के एक मामले में आईजीआई थाना पुलिस ने चार ऐसे आरोपितों को गिरफ्तार किया है जो कस्टम अधिकारी बनकर यात्रियों से ठगी करते और फरार हो जाते थे। कुछ समय पहले ही आरोपितों ने सऊदी अरब से आए एक यात्री को तलाशी के बहाने अपना शिकार बनाया और उनसे विदेशी मुद्रा व अन्य सामान लेकर फरार गए।

नई दिल्ली। ठगी के एक मामले में आईजीआई थाना पुलिस ने चार ऐसे आरोपितों को गिरफ्तार किया है जो कस्टम अधिकारी बनकर यात्रियों से ठगी करते और फरार हो जाते थे। कुछ समय पहले ही आरोपितों ने सऊदी अरब से आए एक यात्री को तलाशी के बहाने अपना शिकार बनाया और उनसे विदेशी मुद्रा व अन्य सामान लेकर फरार गए।

इस मामले की जांच के दौरान पुलिस ने एयरपोर्ट व आसपास लगे करीब सौ सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले और आरोपितों तक पहुंचने में कामयाबी पाई। आरोपितों में रियाज अहमद, कमरुद्दीन, कसमुद्दीन व रहमान शामिल है।

1800 रियाल की ठगी

आईजीआई जिला पुलिस उपायुक्त उषा रंगनानी ने बताया कि उत्तराखंड स्थित उधम सिंह नगर निवासी रियासत अली ने तीन अप्रैल को आईजीआई थाने में पासपोर्ट, 1800 रियाल व अन्य सामान की ठगे जाने की शिकायत की। इनसे खुद को कस्टम अधिकारी बताकर एक व्यक्ति मिला और सामान की तलाशी लेने की बात कही।

अवैध सोना होने की सूचना पर ली तलाशी

फिर वह एक साथी के साथ मल्टी लेवल कार पार्किंग में ले गया। वहां उसने बताया कि उसके सामान में अवैध सोना होने की सूचना है। आरोपित और उसके साथी ने एयरपोर्ट से सेक्टर-21 द्वारका मेट्रो स्टेशन के लिए एक टैक्सी बुक की और फिर पीड़ित को वहां ले जाकर उसका पासपोर्ट, 1800 रियाल और दो मोबाइल फोन लेकर भाग गए।

मामले की गंभीरता को समझो हुए आईजीआई थाना प्रभारी विजेंद्र राणा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 से द्वारका सेक्टर 21 मेट्रो स्टेशन तक सौ से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले। इस दौरान पुलिस ने उस कैब का पता लगा लिया जिसे आरोपितों ने किराए पर लिया था। पुलिस कैब चालक नरेश कुमार तक पहुंची।

नरेश से पुलिस को पता चला कि आरोपितों ने कैब के किराए का भुगतान यूपीआइ के माध्यम से किया था। पुलिस ने उस मोबाइल नंबर का पता किया तो ज्ञात हुआ कि नंबर जैतपुर निवासी रियाज अहमद के नाम पर है। छानबीन के दौरान उसका मोबाइल नंबर बंद था। पुलिस स्थानीय स्तर पर जांच कर जैतपुर से रियाज को गिरफ्तार कर लिया। वह जैतपुर में नाई की दुकान चलाता था।

उसने बताया कि अपने साथियों रहमान, कसमुद्दीन और कमरुद्दीन के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। उसने बताया कि कसमुद्दीन ने वारदात की साजिश रची थी। साथ ही बताया कि उसकी दुकान पर तीन माह से काम करने वाले रहमान अली कसमुद्दीन का बचपन का दोस्त है।

क्लब में विवाद के बाद फायरिंग, युवक के पैर में लगकर पार हुई गोली

परिवहन विशेष न्यूज

डीएलएफ थाना क्षेत्र में एमजी रोड मेट्रो स्टेशन के पास क्लब के बाहर एक युवक को गोली मार दी गई। गोली उसके पैर में लगी और पार हो गई। फिलहाल उसकी स्थित खतरे से बाहर है और निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। युवक की शिकायत पर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना रविवार सुबह छह बजे की है।

नोएडा। डीएलएफ थाना क्षेत्र में एमजी रोड मेट्रो स्टेशन के पास क्लब के बाहर एक युवक को गोली मार दी गई। गोली उसके पैर में लगी और पार हो गई। फिलहाल उसकी स्थित खतरे से बाहर है और निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। युवक की शिकायत पर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना रविवार सुबह छह बजे की है।

राजस्थान का रहने वाला 26 वर्षीय मोहित अपने दोस्तों के साथ डीटी सिटी सेंटर के मोजो क्लब में पार्टी करने आया था। यहां तीन से चार लोगों के साथ उनका विवाद हो गया। मोहित सुबह जैसे ही दोस्तों के साथ क्लब से बाहर निकला तो एक युवक ने उस पर तमंचे से गोली चला दी।

आरोपी मौके से फरार

घटना के बाद सभी आरोपित मौके से फरार हो गए। गोली उसके पैर में लगी और आर-पार हो गई। इसके बाद दोस्तों ने फौरन ही पुलिस को सूचना दी और निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

डीएलएफ थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रवि कुमार ने बताया कि संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

विकास के साथ गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट पर जातीय समीकरण भी हावी, मतदाताओं पर कितना पड़ेगा इसका असर

विकास से गौतमबुद्ध नगर में सब कुछ बदल रहा है यदि कोई चीज नहीं बदली है तो वह चुनाव में जातीय समीकरणों का हावी होना है। पिछले तीन लोकसभा चुनावों में जाति की जो दीवार देखने को मिली थी वह इस बार विकास के मुद्दे पर टूटती नजर आ रही है लेकिन नेताओं और प्रत्याशियों की जातीय समीकरण की गोलबंदी भी चल रही है।

नोएडा। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में गौतमबुद्ध नगर उन सीटों में शामिल है, जहां सर्वाधिक विकास हुआ। एयरपोर्ट से लेकर फिल्म सिटी, मेडिकल डिवाइस पार्क, लाजिस्टक हब, पंडित दीन दयाल उपाध्याय पुरातन संस्थान एवं संस्कृति संग्रहालय, ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटड के साथ-साथ करीब सवा दो लाख करोड़ का औद्योगिक पूंजी निवेश हुआ है।

चल रही जातीय समीकरण की गोलबंदी

विकास से जिले में सब कुछ बदल रहा है, यदि कोई चीज नहीं बदली है तो वह चुनाव में जातीय समीकरणों का हावी होना है। पिछले तीन लोकसभा चुनावों में जाति की जो दीवार देखने को मिली थी, वह इस बार विकास के मुद्दे पर टूटती जरूर नजर आ रही है, लेकिन नेताओं और प्रत्याशियों की जातीय समीकरण की गोलबंदी भी चल रही है। मतदाताओं पर इसका कितना असर पड़ेगा, यह चार जून को मतगणना के बाद ही पता चलेगा।

गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट के अंतर्गत जनपद की दादरी, नोएडा और जेवर विधान सभा के अलावा बुलंदशहर की सिकंद्राबाद और खुर्जा विधान भी आती है। पांचों विधान सभाओं के अलग-अलग मुद्दे है।

महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल और स्वरोजगार के बढ़े अवसर... वनस्थली में चुनावी चौपाल का हुआ आयोजन

सेक्टर जीटा स्थित वनस्थली पब्लिक स्कूल में चुनावी चौपाल का आयोजन किया। महिलाओं ने विभिन्न मुद्दों को उठाया। उन्होंने बिगड़ते घर का बजट से लेकर महिला सशक्तिकरण सुरक्षित माहौलस्वरोजगार के बढ़े अवसरपरीक्षा प्रश्न पत्र हो रहे लीक से लेकर कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। पांच साल बाद एक बार फिर से मतदाता और नेता आमने सामने है।

नोएडा। लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। प्रत्याशी वोट मांगने के लिए मतदाताओं के द्वार पर पहुंच रहे हैं। पांच साल बाद एक बार फिर से मतदाता और नेता आमने सामने है।

ऐसे में महिलाओं के मुद्दों को प्रत्याशी के सामने पहुंचने के लिए चुनावी चौपाल का आयोजन दैनिक जागरण ने सेक्टर जीटा स्थित वनस्थली पब्लिक स्कूल में किया। महिलाओं ने विभिन्न मुद्दों को उठाया। उन्होंने बिगड़ते घर का बजट से लेकर महिला सशक्तिकरण, सुरक्षित माहौल, स्वरोजगार के बढ़े अवसर, परीक्षा प्रश्न पत्र हो रहे लीक से लेकर कई अहम मुद्दों पर चर्चा की।

महिलाओं ने बताया कि महिला उद्यमी अपना व्यापार शुरू करना चाहती है, लेकिन उसको लोन लेने के लिए महीनों विभागों के चक्कर काटने पड़ते है। जबकि सरकार की ओर से कहा जाता है कि हर प्रकिया को आसान बनाया जा रहा है। वह जमीनी हकीकत पर कुछ और ही होती है।

किसी भी में क्षेत्र में पीछे नहीं महिलाएं

महिलाओं को सामान अधिकार देने की बड़ी बड़ी बातें की जाती है। उसके बाद भी उन्हें हमेशा पुरुषवादी मानसिकता का शिकार होना पड़ता है। महिलाएं वर्तमान समय में किसी भी में क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उन्हें बस अधिकार देने की जरूरत है। महिलाओं के लिए सरकार की ओर से अधिक कार्य करने की जरूरत है।

कई योजनाओं का लाभ महिलाओं को नहीं मिल पाता है। उन्हें लाभ लेने के लिए यह ही नहीं पता होता है कि वह किस विभाग में संपर्क करे। उम्मीदवारों को महिलाओं में लिए विशेष कार्य करने चाहिए, जिससे वह समाज में आगे बढ़कर देश का प्रतिनिधित्व कर सके।

बांग्लादेश के अस्पतालों में भी फैला गिरोह का नेटवर्क, मास्टरमाइंड की तलाश में जुटी 2 राज्यों की पुलिस

परिवहन विशेष न्यूज

किडनी प्रत्यारोपण गिरोह का नेटवर्क बांग्लादेश के कई अस्पतालों में भी फैला हुआ है। सेक्टर 39 स्थित बाबिल पैलेस से बांग्लादेश से भारत में किडनी प्रत्यारोपण कराने आए पांच लोगों के पकड़े जाने के बाद से ही पुलिस मुर्तजा अंसारी की तलाश में जुट गई है। ऑनलाइन लोकेशन ट्रेस करने के बाद गुरुग्राम समेत अन्य जगहों पर छापेमारी जारी है।

गुरुग्राम। किडनी प्रत्यारोपण गिरोह का नेटवर्क बांग्लादेश के कई बड़े निजी अस्पतालों में भी फैला हुआ है। गिरोह चलाने वाले मो. मुर्तजा अंसारी ने बांग्लादेश में एजेंट सेट किया था। वह फर्जी मेडिकल वीजा व अन्य कागजात बनवाकर लोगों को भारत भेजता था।

राजस्थान पुलिस की पूछताछ में पता चला कि किडनी प्राप्तकर्ता कोबीद मो. अहसानुल भी इसी एजेंट के माध्यम से भारत आया था। दोनों किडनियां खराब होने पर यह ढाका के एक निजी अस्पताल जाता था। यहीं पर एक युवक के माध्यम से यह एजेंट से मिला था।

पूछताछ में सामने आया कि मो. अहसानुल ढाका से डेढ़ सौ किलोमीटर दूर शैदपुर जिले का रहने वाला है। वह जिले के नारकोटिक्स डिपार्टमेंट में असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर है। उसे बचपन से ही किडनी की दिक्कत थी। वह पांच महीने पहले ढाका के आइबीएन सिना अस्पताल में जांच के लिए गया था।

जयपुर के फोर्टिस से कराया था किडनी प्रत्यारोपण

इसी अस्पताल में रूटीन जांच के लिए एक और किडनी प्रत्यारोपण करा चुका मरीज आया था। इस मरीज के अटेंडेंट से बातचीत में मो. अहसानुल को भारत में किडनी प्रत्यारोपण के बारे में जानकारी मिली। इस मरीज ने भी मुर्तजा के माध्यम से ही जयपुर के फोर्टिस से किडनी प्रत्यारोपण कराया था।

अटेंडेंट ने मो. अहसानुल को बांग्लादेश के एजेंट से मिलवाया। उसने मेडिकल वीजा व अन्य कागजात बनवाकर 10 जनवरी को दिल्ली भेजा। यहां मुर्तजा ने उसे रिसीव किया और जयपुर ले गया। ढाई महीने तक जांच प्रक्रिया चलने के बाद 21 मार्च को अस्पताल में इसका किडनी ट्रांसप्लांट किया गया।

वहीं 66 वर्षीय नुरुल इस्लाम भी ढाका के अस्पताल में जांच के दौरान एक व्यक्ति के माध्यम से एजेंट से मिला था। उसने इसे भी किडनी प्रत्यारोपण के लिए मेडिकल वीजा पर 30 जनवरी को भारत भेजा था। नुरुल बांग्लादेश के मौलवी बाजार जिले का रहने वाला है और 10 साल से सऊदी अरब में कंस्ट्रक्शन कंपनी में काम कर रहा था।

बड़ी संख्या में लोग किडनी प्रत्यारोपण के बाद बांग्लादेश गए

अहसानुल पांच महीने पहले जिस मरीज से मिला था, वह भी दो-ढाई महीने भारत में रहकर यहां से गया था। इससे यह पता चलता है यह गिरोह छह महीने से भी ज्यादा समय से लोगों के किडनी प्रत्यारोपण में संलिप्त है और बड़ी संख्या में लोग भारत में प्रत्यारोपण के बाद बांग्लादेश वापस लौट चुके हैं।

वहीं जयपुर एसीबी की जांच में भी यह सामने आया है कि जयपुर में बिना अनुमति के बीते तीन सालों में मानव अंगों के प्रत्यारोपण के लिए आठ सौ से ज्यादा एनओसी जारी हुईं।

किडनी ट्रांसप्लांट गैंग के सरगना मुर्तजा को पकड़ने रांची गई गुरुग्राम पुलिस, 18 लाख में होता सौदा; बांग्लादेश से भी कनेक्शन

परिवहन विशेष न्यूज

अवैध रूप से मानव अंगों के प्रत्यारोपण को लेकर जयपुर के दो अस्पतालों में कार्रवाई के बाद गुरुग्राम भागकर आए किडनी प्रत्यारोपण गिरोह के सरगना मो. मुर्तजा अंसारी की तलाश तेज हो गई। वह तीन अप्रैल को गुरुग्राम के सेक्टर-39 स्थित बाबिल गेस्ट हाउस में आखिरी बार देखा गया था। इसके बाद से ही वह फरार है।

गुरुग्राम। अवैध रूप से मानव अंगों के प्रत्यारोपण को लेकर जयपुर के दो अस्पतालों में कार्रवाई के बाद गुरुग्राम भागकर आए किडनी प्रत्यारोपण गिरोह के सरगना मो. मुर्तजा अंसारी की तलाश तेज हो गई। वह तीन अप्रैल को गुरुग्राम के सेक्टर-39 स्थित बाबिल गेस्ट हाउस में आखिरी बार देखा गया था।

इसके बाद से ही वह फरार है। वह झारखंड के रांची का रहने वाला था। उसकी लोकेशन ट्रेस होने के बाद गुरुग्राम पुलिस टीम उसके पीछे रविवार को रांची के लिए रवाना हो गई।

पांच बांग्लादेशी पकड़े गए

मुख्यमंत्री उड़नदस्ते की टीम ने गुरुवार को मुर्तजा के साथ आए किडनी प्रत्यारोपण कराने वाले पांच बांग्लादेशियों को बाबिल गेस्ट हाउस से पकड़ा था। इनमें से इस्लाम नुरुल और मो. अहसानुल की किडनी ट्रांसप्लांट हो चुकी थी। महमूद सैयद अकब को किडनी प्रत्योपित की जानी थी। अन्य दो शमीम मेहंदी हसन और हुसैन मोहम्मद किडनी डोनर थे।

किडनी निकालने और ट्रांसप्लांट की चल रही थी प्रक्रिया

शमीम की किडनी निकाली जा चुकी थी और हुसैन मोहम्मद की प्रक्रिया चल रही थी। सदर थाना पुलिस ने इन सभी को पूछताछ के बाद अस्पताल में जांच के लिए दाखिल कराया। शमीम मेहंदी, इस्लाम नुरुल और मो. अहसानुल को एक दिन तक आईसीयू में रखा गया। बेहतर देखभाल के लिए दिल्ली के सफदरजंग रेफर कर दिया। वहीं, इससे पहले जयपुर से आई टीम ने पांचों लोगों से पूछताछ की।

किडनी प्रत्यारोपण कराने वाले मो. अहसानुल और इस्लाम नुरुल ने बताया कि बांग्लादेश में एजेंट से उनकी डील 24 लाख टका यानी करीब सवा 18 लाख रुपये में हुई थी। यह भी सामने आया कि मुर्तजा दानदाताओं को इसके लिए चार लाख टका यानी तीन लाख रुपये देता था। बाकी राशि दो हिस्सों में बंटती थी।

एक हिस्सा बांग्लादेश के एजेंट को जाता था और एक हिस्सा मुर्तजा रखता था। मुर्तजा भारत में मरीजों के रहने, खाने, इलाज व अन्य चीजों की पूर्ति करता था। वहीं बांग्लादेश का एजेंट मरीजों के मेडिकल वीजा, उनके हवाई टिकट व अन्य कागजात पूरे कराकर सभी को भारत भेजता था।

जयपुर और गुरुग्राम पुलिस जांच में जुटी

जयपुर से भागकर आए मो. मुर्तजा अंसारी की तलाश जयपुर और गुरुग्राम दोनों शहरों की पुलिस कर रही है। गुरुग्राम पुलिस ने गेस्ट हाउस से सीसीटीवी कैमरे की फुटेज प्राप्त कर मुर्तजा की फोटो हरियाणा, झारखंड व अन्य राज्यों की पुलिस को भेजा है। मोबाइल नंबर के आधार पर उसकी लोकेशन ट्रेस की जा रही थी।

सूत्रों के अनुसार उसने दो दिन से अपना मोबाइल फोन बंद कर रखा था। झारखंड में उसकी लोकेशन मिलने के बाद गुरुग्राम पुलिस टीम रांची के लिए रवाना हो गई। मुर्तजा रांची के मांडर थाना क्षेत्र के करगे गांव का रहने वाला है। वह 2020 में अरबी भाषा की पढ़ाई करने के बाद दिल्ली आ गया था। उसने गुरुग्राम के भी दो निजी अस्पतालों में ट्रांसलेटर का काम किया।

फिर उसने करीब आठ महीने पहले जयपुर के फोर्टिस अस्पताल में नौकरी ज्वाइन की थी। सूत्रों के अनुसार वह इस अस्पताल के किडनी विंग में सक्रिय हो गया और किडनी प्रत्यारोपण गिरोह संचालित करने लगा।

गिरोह के मास्टरमाइंड मुर्तजा की तलाश की जा रही है। पुलिस टीम के इसके लिए जुटी हुई है। रांची पुलिस से भी संपर्क किया जाएगा। जल्द ही वह पुलिस गिरफ्त में होगा। -विकास अरोड़ा, पुलिस आयुक्त, गुरुग्राम

ओमनी फाउंडेशन और परिवहन विशेष का साझा प्रयास:- सड़क सुरक्षा और जाम मुक्त सड़के

हमारे राष्ट्र के प्रिय युवाओं,

स्वामी विवेकानन्द के अनुयायी के रूप में, मैं एक गंभीर चिंता का समाधान करने के लिए बाध्य हूँ जो हम सभी को प्रभावित करती है: सड़क सुरक्षा। हमारी सड़कें, जो कभी कनेक्टिविटी और प्रगति का प्रतीक थीं, हममें से कई लोगों के लापरवाह व्यवहार के कारण खतरनाक हो गई हैं। अब समय आ गया है कि हम इस मुद्दे की गंभीरता को पहचानें और अपनी सुरक्षा और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निर्णायक कार्रवाई करें।

स्वामी विवेकानन्द ने आत्म-अनुशासन और आत्म-साक्षात्कार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की जहां हर व्यक्ति समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए सशक्त हो। हालाँकि, जब हम यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं, लापरवाही से गाड़ी चलाते हैं, या गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं, तो हम न केवल खुद को खतरे में डालते हैं बल्कि दूसरों के जीवन को भी खतरे में डालते हैं। छोटे चालक, बिना निर्देशित मिसाइलों के समान, स्वयं और अपने आस-पास के सभी लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करते हैं।

हम, युवा, हमारे देश के भावी नेता हैं। यह हमारा दायित्व है कि हम अपनी और अपने साथी नागरिकों की फिटनेस और भलाई को प्राथमिकता दें। सड़क सुरक्षा का मतलब सिर्फ नियमों का पालन करना नहीं है; यह हमारे सामूहिक भविष्य की सुरक्षा के बारे में है। सड़कों पर खोया हुआ हर जीवन एक संभावित नेता, नवप्रवर्तक या परिवर्तन-निर्माता है, जिसे समय से पहले ही ख़त्म कर दिया जाता है।

मैं आपसे अपने कार्यों के गहरे प्रभाव पर विचार करने का आग्रह करता हूं। उन प्रियजनों पर विचार करें जो आपके घर लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उस राष्ट्र के बारे में सोचें जो आपके संभावित योगदान पर निर्भर है। आइए हम अपनी ऊर्जा और उत्साह को ऐसे रचनात्मक प्रयासों में लगाने का संकल्प लें, जो समाज को खतरे में डालने के बजाय उसका उत्थान करें।

डॉ. अंकुर शरण
नेशनल चीफ प्लानिंग एंड ट्रांसपोर्ट ऑफिसर
रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.)

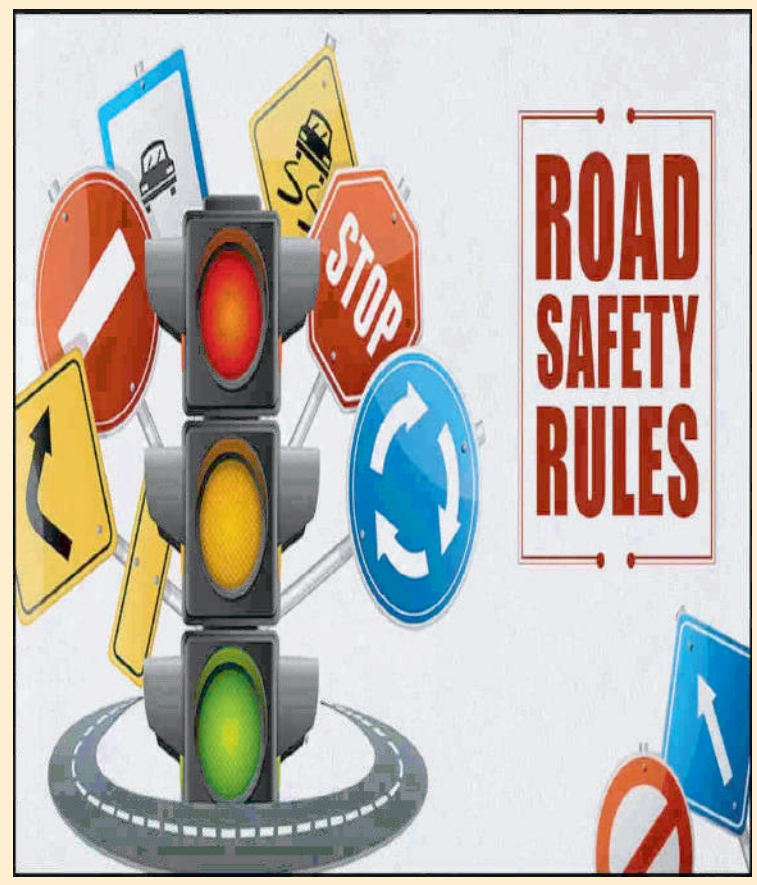

याद रखें, सड़कों पर बिखरे खून का इस्तेमाल ब्लड बैंकों में लोगों की जान बचाने के लिए किया जा सकता था। आइए हम अपनी क्षमता को बर्बाद न करें और लापरवाही की वेदी पर अपने भविष्य का बलिदान न दें। आपका परिवार आपसे प्यार करता है, आपके देश को आपकी ज़रूरत है और आपका भविष्य आपका इंतज़ार कर रहा है। आइए सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने का सचेत विकल्प चुनें और एक उज्जवल कल का मार्ग प्रशस्त करें। आशा और दृढ़ संकल्प के साथ...

थोड़ा सा चूके तो हो जाएगा कांड! Petrol Pump पर फ्यूल डलवाते समय हमेशा ध्यान रखें ये बातें

Petrol Pump Fraud

जब आप किसे स्पेसिफिक नंबर में फ्यूल भराते हैं तो ऐसे में आपके साथ स्कैम हो सकता है। कम डेंसिटी वाला फ्यूल खरीदना भी आपके लिए पैसों का नुकसान हो सकता है। इससे बचने के लिए ग्राहकों को जागरूक रहना चाहिए और मीटर पर दर्शाए गए डेंसिटी की जांच करनी चाहिए। आइए इन स्कैम्स के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। अगर आपके पास बाइक या कार है, तो जाहिर सी बात है पेट्रोल पंप पर जरूर जाते होंगे। क्या आपको पता है कि कई फ्यूल स्टेशन आपकी मेहनत की कमाई पर चूना लगा रहे हैं? आइए, वाहन में ईंधन भराते समय बरतने वाली सावधानियों के बारे में जान लेते हैं।

'जीरो' चेक करें

जब आप किसे स्पेसिफिक नंबर में फ्यूल भराते हैं, तो ऐसे में आपके साथ स्कैम हो सकता है। उदाहरण के लिए, अगर आप 1,000 रुपये मूल्य का पेट्रोल भराते हैं और मीटर पहले से ही 200 रुपये पर है, तो आपको 1,000 रुपये का भुगतान करना पड़ सकता है, लेकिन आपको केवल 800 रुपये मूल्य का ईंधन ही मिलेगा और आपका 200 रुपये का नुकसान हो जाएगा।

'डेंसिटी' वाले गेम से बचें!

कम डेंसिटी वाला फ्यूल खरीदना भी आपके लिए पैसों का नुकसान हो सकता है। इससे बचने के लिए ग्राहकों को जागरूक रहना चाहिए और मीटर पर दर्शाए गए डेंसिटी की जांच करनी चाहिए। अगर पेट्रोल की डेंसिटी 730 से 800 के बीच है, तो वह शुद्ध माना जाता है। वहीं, शुद्ध डीजल की डेंसिटी 830 से 900 के बीच होती है।

घटतौली से बचें

कई पेट्रोल पंप पर ऐसे स्कैम भी देखे गए हैं, जो एक चिप का इस्तेमाल करते हैं। ये चिप मीटर द्वारा बताए गए ईंधन की तुलना में 3 प्रतिशत कम फ्यूल भरती है। इस हिसाब से अगरआप 1,000 रुपये मूल्य के पेट्रोल के लिए भुगतान करते हैं, तो मीटर पूरी राशि दिखाता है लेकिन आपको वास्तव में केवल 970 रुपये मूल्य का पेट्रोल मिलता है।

Ather Rizta इलेक्ट्रिक फैमिली स्कूटर इन चार मामलों में हैं बेहतरीन

भारतीय बाजार में कई तरह के Electric Scooter को ऑफर किया जाता है। लेकिन छह अप्रैल 2024 को ही Ather की ओर से नया Rizta स्कूटर लॉन्च किया गया है। Family Scooter के तौर पर लाए गए इस Electric स्कूटर में किस तरह की चार खूबियों को दिया जा रहा है। इसे किस कीमत पर खरीदा जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। अगर आप भी Ather के नए Electric Family Scooter Rizta को खरीदने का मन बना रहे हैं। तो हम इस खबर में आपको इस स्कूटर में मिलने वाली चार बेहतरीन खूबियों और कीमत की जानकारी दे रहे हैं।

कैसा है डिजाइन और कलर

एथर ने अपने नए इलेक्ट्रिक स्कूटर Rizta को छह अप्रैल 2024 को ही भारतीय बाजार में लॉन्च किया है। इस स्कूटर में कंपनी ने मौजूदा 450X की मोडिफाइड चेसिस का उपयोग किया है। जिससे स्कूटर की सीट ज्यादा बड़ी और नीचे की ओर हो गई है। 450 की तरह शॉर्प डिजाइन की जगह सामान्य डिजाइन रखा गया है। इसके साथ ही इसमें कंपनी की ओर से तीन मोनोटोन और चार ड्यूल टोन रंगों का विकल्प दिया गया है।

कैसी है बैटरी और रेंज

कंपनी की ओर से रिज्टा इलेक्ट्रिक स्कूटर को तीन वेरिएंट और दो बैटरी विकल्प के साथ लॉन्च किया गया है। इसमें 2.9 kWh और 3,7 kWh की क्षमता की बैटरी मिलती हैं। इसके साथ ही इसमें स्मार्ट ईको और जिप जैसे ड्राइविंग मोड्स मिलते हैं। कम क्षमता वाली बैटरी से स्कूटर को फुल चार्ज के बाद 123 किलोमीटर और ज्यादा क्षमता वाली बैटरी के साथ 160 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है। इसमें लगी मोटर से स्कूटर को 80 किलोमीटर की टॉप स्पीड मिलती है।

कैसे हैं फीचर्स

एथर रिज्टा में कंपनी ने टीएफटी और एलसीडी डिस्प्ले का विकल्प दिया है। इसके साथ ही इसमें रिवर्स बटन, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, वॉटसएप ऑन डैश, फॉलसेफ, tस्किड कंट्रोल, हिल होल्ड, गूगल मैप नेविगेशन, कॉल और म्यूजिक कंट्रोल, ईएसएस, पिंग माई स्कूटर, फ्रंट डिस्क ब्रेक, टो और थेफ्ट अलर्ट, लाइव लोकेशन शेयर, रियर मोनोशॉक सस्पेंशन जैसे फीचर्स को दिया गया है।

कितनी है स्टोरेज

इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में एथर का नया स्कूटर सबसे ज्यादा सामान रखने वाले स्कूटर्स की लिस्ट में शामिल है। इस स्कूटर में सामान रखने के लिए कुल 56 लीटर का स्पेस मिलता है। जिसमें से 34 लीटर स्पेस सीट के नीचे और 22 लीटर फ्रंक के तौर पर मिलता है। इसके बूट में ऑर्गनाइजर भी दिया जाता है।

कितने हैं वेरिएंट

Ather Rizta स्कूटर में कुल तीन वेरिएंट्स मिलते हैं। जिसमें बेस वेरिएंट के तौर पर 2.9 kWh की बैटरी के साथ एस वेरिएंट आता है। इसके बाद जेड वेरिएंट को ऑफर किया जाता है। इसके टॉप वेरिएंट जेड में 3.7 kWh की क्षमता की बैटरी दी जाती है।

गर्मियों में बढ़ जाता है कार में आग लगने का खतरा, इन चार तरीकों से करें बचाव

परिवहन विशेष न्यूज

गर्मियों की शुरूआत हो चुकी है। कई राज्यों में तापमान 35 से 40 डिग्री के बीच दर्ज किया जा रहा है। ऐसे में कार में आग (Car Fire) लगने का खतरा भी बढ़ जाता है। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो फिर कार को आग से बचाना काफी आसान हो जाता है। किन चार बातों का ध्यान रखना चाहिए। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। कार के पुरानी होने के बाद अक्सर लोग लापरवाही करने लगते हैं। जिससे कार को लंबे समय में नुकसान होता है। कई बार लापरवाही के कारण कार में आग लगने जैसी घटनाएं भी हो जाती हैं। गर्मियों के मौसम में कार को आग से बचाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना काफी जरूरी होता है। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि किन चार बातों का ध्यान रखकर कार को गर्मियों में आग से सुरक्षित रखा जा सकता है।

शॉर्ट सर्किट से लगती है आग

किसी भी कार में आग लगने का सबसे ज्यादा खतरा शॉर्ट सर्किट से होता है। ऐसा तब होता है जब गर्मियों के दौरान एक से ज्यादा तार की बाहरी सुरक्षा सतह पिघल जाती है और वह चिपक जाते हैं। इसलिए गर्मियों में कार को सर्विस जरूर करवाएं। सर्विस करवाते समय कार को चेक किया जाता है, जिससे इस खतरे को कम किया जा सकता है।

इंजन ओवरहीट

कार में इंजन का तापमान अगर काफी ज्यादा हो जाए तो फिर ओवरहीट होने से आग लगने का खतरा भी बढ़ जाता है। गर्मियों में लंबे सफर के दौरान कार को लगातार चलाने के कारण कई बार इंजन का तापमान बढ़ जाता है। जिससे आग लगने का खतरा होता है। ऐसे में कार को कुछ किलोमीटर चलाने के बाद थोड़ी देर रोकना चाहिए। साथ ही कूलेंट की मात्रा को भी चेक करना चाहिए।

न लगाएं गैर जरूरी एक्सेसरीज

कुछ लोगों को कार में एक्सेसरीज लगाने का काफी शौक होता है। लेकिन ज्यादा एक्सेसरीज के कारण भी कार में आग लगने का खतरा ज्यादा हो जाता है। एक्सेसरीज लगाने के समय कई बार तार को काटना पड़ता है। जिससे भी शॉर्ट सर्किट होने के बाद आग लगने का खतरा बढ़ता है। इसलिए कोशिश करें कि कार को जिस तरह से कंपनी की ओर से दिया जाता है, वैसे ही कार को रखना चाहिए।

न रखें परफ्यूम और स्प्रे

अगर कार को आग लगने के खतरे से बचाना है तो कभी भी कार में परफ्यूम या अन्य प्रकार के स्प्रे को नहीं रखना चाहिए। ऐसी वस्तुएं काफी जल्दी आग पकड़ती हैं। साथ ही इन पर भी अत्यंत ज्वलनशील की चेतावनी भी दी जाती है। अगर ऐसी वस्तुओं को कार में रखा जाए तो गर्मी के कारण यह फट सकती हैं और इससे आग लगने जैसे हादसे हो सकते हैं।

Mahindra ने फिर जारी किया XUV 3XO का Teaser, इन फीचर्स की मिली जानकारी

परिवहन विशेष न्यूज

SUV बनाने वाली भारतीय कंपनी Mahindra की ओर से 29 अप्रैल 2024 को नई एसयूवी के तौर पर XUV 3XO को पेश किया जाएगा। इससे पहले कंपनी ने सोशल मीडिया पर SUV का दूसरा टीजर जारी किया गया है। 20 सेकेंड के नए वीडियो में और क्या जानकारी मिल रही हैं। Mahindra की XUV 3XO एसयूवी में किन खूबियों को दिया जाएगा।

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन निर्माता Mahindra की ओर से भारतीय बाजार में जल्द ही नई एसयूवी (Mahindra XUV 3XO) को लाने की तैयारी की जा रही है। कंपनी ने हाल में ही सोशल मीडिया पर एक और टीजर को जारी किया है। जिसमें नई एसयूवी XUV 3XO के और फीचर्स की जानकारी मिल रही है। कंपनी नई एसयूवी में किस तरह के फीचर्स को देने की तैयारी कर रही है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

Mahindra XUV 3XO का दूसरा Teaser जारी

महिंद्रा की ओर से सोशल मीडिया पर नई एसयूवी (XUV 3XO) का दूसरा टीजर जारी किया गया है। कंपनी ने 20 सेकेंड का दूसरा वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया है। जिसमें कई खूबियों की जानकारी भी मिल रही है।

कैसे होंगे फीचर्स

महिंद्रा की ओर से XUV 3XO के 20 सेकेंड के नए वीडियो को जारी किया गया है। जिसमें एसयूवी के और फीचर्स की जानकारी मिल रही है। दूसरे वीडियो के मुताबिक एसयूवी के एक्सटीरियर से इंटीरियर तक की जानकारी को दिखाया गया है। नए वीडियो में एसयूवी के फ्रंट, साइड और रियर लुक की झलक दिखाई गई है। साथ ही रूफ के बाद रियर सीट और डैशबोर्ड की जानकारी को भी दिखाया गया है। वीडियो के मुताबिक Mahindra XUV 3X0 में ड्यूल टोन एक्सटीरियर दिया जाएगा, जिसमें पियानो ब्लैक फिनिश का उपयोग किया गया है। इसमें इलेक्ट्रिक सनरूफ, रियर स्पॉयलर, वेंटिलेटिड सीट्स, इंटीरियर में क्रोम कलर की सीट्स के साथ ही ड्यूल टोन डैशबोर्ड के साथ सिल्वर इंसर्ट्स, स्टेयरिंग पर ऑडियो कंट्रोल, पुश बटन स्टार्ट/स्टॉप और एएमटी ट्रांसमिशन जैसे कुछ फीचर्स को दिया जाएगा।

पहले मिली थी यह जानकारी

कंपनी की ओर से कुछ दिन पहले ही इसके पहले टीजर को जारी किया गया था। जिसमें कनेक्टिड सी शेप टेल लाइट्स, रियर वाइपर, फ्रंट में ब्लैक रंग की ग्लॉसी फिनिश ग्रिल, ड्रॉप डाउन एलईडी डीआरएल, एलईडी हेडलाइट्स, ग्लॉसी फिनिश अलॉय व्हील्स जैसे फीचर्स की जानकारी मिल रही थी। इसके साथ ही इसके रियर में XUV 3XO नाम को साफ तौर पर देखा जा सकता है।

किस सेगमेंट में आएगी Mahindra XUV 3XO

माना जा रहा है कि महिंद्रा अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी XUV300 के फेसलिफ्ट वर्जन के तौर पर XUV 3XO को भारतीय बाजार में 29 अप्रैल 2024 को लॉन्च करेगी। यह नई एसयूवी बाजार में मारुति ब्रेजा, टाटा नेक्सन, किआ सोनेट, हुंडई वेन्यू जैसी कॉम्पैक्ट एसयूवी को तगड़ी चुनौती देगी।

बढ़ती बीमारियों के बीच स्वास्थ्य-क्रांति की अपेक्षा

ललित गर्ग

दुनिया की बड़ी चिन्ताओं में स्वास्थ्य प्रमुख है। सभी देशों में स्वास्थ्य की स्थिति सोचनीय एवं परेशान करने वाली है। वैज्ञानिक प्रगति, औद्योगिक क्रांति, बढ़ती आबादी, शहरीकरण तथा आधुनिक जीवन के तनावपूर्ण वातावरण के कारण शारीरिक एवं मानसिक रोगों में भारी वृद्धि हुई है।

हर वर्ष दुनिया के लोगों की उन्नत स्वास्थ्य की अपेक्षा के साथ 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाता है। दुनिया भर में लोगों को प्रभावित करने वाले एक विशिष्ट स्वास्थ्य मुद्दे के बारे में जागरूकता बढ़ाना इसका ध्येय है। यह सामूहिक कार्रवाई, शिक्षा और सभी के लिए स्वास्थ्य के महत्व को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने का दिन है। 2024 की थीम - 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार' है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक स्वास्थ्य का मतलब सिर्फ स्वस्थ खाना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि कैसे दुनिया एक साथ आकर सभी को लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकती है। चिकित्सा के क्षेत्र में नए खोज, नई दवाओं और नए टीकों को बनाने के साथ ही स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना भी विश्व स्वास्थ्य संगठन की प्राथमिकता है। सन-1948 में, दुनिया के तमाम देशों ने एक साथ मिलकर स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, दुनिया को सुरक्षित रखने और कमजोर लोगों की सेवा करने के लिए डब्ल्यूएचओ की स्थापना की, ताकि हर व्यक्ति हर जगह स्वस्थ्य रहे और उच्चतम स्तर की मदद प्राप्त कर सके। इसके दो साल बाद 1950 में पहला विश्व स्वास्थ्य दिवस 7 अप्रैल को मनाया गया। इस बार का विषय इस सोच को दर्शाता है कि स्वास्थ्य एक बुनियादी मानव अधिकार है और हर किसी को बिना किसी वित्तीय कठिनाइयों के जब और जहां इसकी आवश्यकता हो, उसे स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए।

दुनिया की बड़ी चिन्ताओं में स्वास्थ्य प्रमुख है। सभी देशों में स्वास्थ्य की स्थिति सोचनीय एवं परेशान करने वाली है। वैज्ञानिक प्रगति, औद्योगिक क्रांति, बढ़ती आबादी, शहरीकरण तथा आधुनिक जीवन के तनावपूर्ण वातावरण के कारण शारीरिक एवं मानसिक रोगों में भारी वृद्धि हुई है। यह किसी एक राष्ट्र के लिये नहीं, समूची दुनिया के लिये चिन्ता का विषय है। अस्वास्थ्य वर्तमान युग की एक व्यापक समस्या है। चारों ओर बीमारियों का दुर्भेध घेरा है। निरन्तर बढ़ती हुई बीमारियों को रोकने के लिये नई-नई चिकित्सा पद्धतियां असफल हो रही है। जैसे-जैसे विज्ञान रोग-प्रतिरोधक औषधियों का निर्माण करता है, वैसे-वैसे बीमारियां नये रूप, नये नाम और नये परिवेश में प्रस्तुत हो रही है। 2021 में दुनिया की आधी आबादी से अधिक, 4.5 बिलियन से अधिक लोगों के पास आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पर्याप्त पहुंच नहीं थी। दो अरब लोग स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं क्योंकि उनके पास विभिन्न रोगों के उपचार पर खर्च करने के लिए पैसे नहीं हैं। दुनिया भर में लगभग 930 मिलियन लोगों को अपने घरेलू बजट का 10 प्रतिशत या उससे अधिक स्वास्थ्य पर खर्च करना पड़ रहा है, जिससे उनकी वित्तीय हालत और खराब हो रही है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस स्थान, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति या पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना स्वास्थ्य के अधिकार को मौलिक मानव अधिकार के रूप में उजागर करता है। यह एक ऐसी दुनिया की वकालत करता है जहां केवल कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों को ही नहीं, बल्कि सभी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल तक समान पहुंच प्राप्त हो। यह दिवस केवल जागरूकता बढ़ाने के बारे में नहीं है; यह परिवर्तन का उत्प्रेरक है, यह स्वास्थ्य-क्रांति का शंखनाद है। यह व्यक्तियों को स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करता है, सरकारों को स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे और संसाधनों में निवेश करने के लिए प्रेरित करता है, और स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों को उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में लगातार सुधार करने के लिए प्रेरित करता है। यह दिन सीमाओं और सांस्कृतिक विभाजनों से परे है। यह दुनिया भर के लोगों को एक समान लक्ष्य में एकजुट करता है, एक ऐसी दुनिया जहां हर कोई अच्छे स्वास्थ्य के साथ पनप सके। यह प्रभावी, सुरक्षित, सस्ती और सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व पर जोर देता है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस विश्व क्षय रोग दिवस, विश्व टीकाकरण सप्ताह, विश्व मलेरिया दिवस, विश्व तंबाकू निषेध दिवस, विश्व एड्स दिवस, विश्व रक्तदाता दिवस, विश्व चगास रोग दिवस, विश्व रोगी दिवस के साथ डब्ल्यूएचओ द्वारा चिह्नित 11 आधिकारिक वैश्विक स्वास्थ्य अभियानों में से एक है। इस साल डब्ल्यूएचओ अपनी 75वीं वर्षगांठ भी मना रहा है, इसलिए इस दिन को खास बनाने के लिए, डब्ल्यूएचओ उन सार्वजनिक स्वास्थ्य सफलताओं को भी देखेगा, जिन्होंने पिछले साढे सात दशकों के दौरान जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है। विश्व स्वास्थ्य दिवस स्थान, सामाजिक आर्थिक स्थिति या पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना स्वास्थ्य के अधिकार को मौलिक मानव अधिकार के रूप में उजागर करता है। यह एक ऐसी दुनिया की वकालत करता है जहां केवल कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों को ही नहीं, बल्कि सभी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल तक समान पहुंच प्राप्त हो। यह दिवस स्वास्थ्य देखभाल और बीमारी की रोकथाम में प्रगति को स्वीकार करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। सफल रणनीतियों और नवाचारों को उजागर करना वैश्विक स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिए आगे की सफलताओं और प्रतिबद्धता को प्रेरित कर सकता है।

भारत की स्वास्थ्य स्थितियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुधर रही है, लेकिन इस सुधार में तीव्रता की अपेक्षा है। डब्ल्यूएचओ द्वारा जारी डेटा ने भारत में एक और बढ़ते स्वास्थ्य संकट पर प्रकाश डाला है और यह है मोटापा और एनीमिया। रिपोर्ट के अनुसार, अब पुरुषों की तुलना में दोगुनी संख्या में महिलाएं एनीमिया से प्रभावित हो रही हैं। वहीं मोटापे के मामले में आंकड़ों पर नजर डालें तो महिलाओं में मोटापा 2015-16 में 21 प्रतिशत से बढ़कर 2019-20 में 24 प्रतिशत हो गया है। इनके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि गुजरात, महाराष्ट्र सहित भारत के प्रमुख राज्यों में बच्चों में भी मोटापे में वृद्धि देखी जा रही है। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी के साथ, भारत 1.4 अरब से अधिक लोगों का घर है। 2018 में प्रति महिला औसतन दो बच्चों के जन्म पर, देश की जन्म दर प्रति हजार निवासियों पर 18.6 थी। औसत जीवन प्रत्याशा में 1920 के दशक से लगातार वृद्धि देखी गई है और 2019 में यह लगभग 69 वर्ष थी। हालाँकि, यह अभी भी लगभग 72 वर्षों के वैश्विक औसत से कम थी। विशेष नवजात देखभाल इकाइयों, नियमित टीकाकरण और बुनियादी मां और बच्चे की देखभाल सुविधाओं तक पहुंच प्रदान करने पर सरकार के बढ़ते ध्यान के कारण पिछले कुछ वर्षों में शिशु मृत्यु दर में भी लगातार गिरावट आई है। इसके अलावा, जब से कन्या भ्रूण हत्या और लिंग-चयनात्मक गर्भपात के सरकारी नियमों ने ऐसी प्रक्रियाओं को अवैध बना दिया है तब से देश में इसमें अपेक्षाकृत गिरावट देखी गई है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस जैसे आयोजनों में बीमारियों पर नियंत्रण के लिये योग एवं साधना, संतुलित आहार एवं संयमित जीवनशैली को भी हिस्सा बनाना चाहिए। हमारे शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयव हैं- दिल और दिमाग। यानी हृदय और मस्तिष्क। ये दोनों समूचे शरीर-तंत्र का संचालन एवं नियमन करते है। शरीर के प्रत्येक अवयव की जीवंतता, सक्रियता, क्षमता और स्वस्थता इन दानों की स्वस्थता पर निर्भर करती है। जितनी भी मानसिक और कायिक बीमारियां या विकृतियां उत्पन्न होती है, वे इस बात की गवाह है कि किसी एक ने 'रोड क्रोसिंग' पर खड़े 'ट्रेफिक पुलिस' के निर्देशों की उपेक्षा कर 'ओवर टेकिंग' की कोशिश की है। सारी दुनिया में बढ़ते हुए मनोरोग एवं हृदयरोग इसी आंतरिक अव्यवस्था का परिणाम है। अन्य असाध्य बीमारियों का कारण भी असंतुलित जीवनशैली है। इसलिये अच्छे स्वास्थ्य के लिये मानसिक स्वास्थ्य एवं भावनात्मक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बरतना नितान्त अनिवार्य है और ऐसी जागृति के लिये विश्व स्वास्थ्य दिवस जैसे आयोजनों को माध्यम बनाया जाना चाहिए।

संपादक की कलम से

अनुच्छेद 342 में संशोधन क्यों आवश्यक है ?

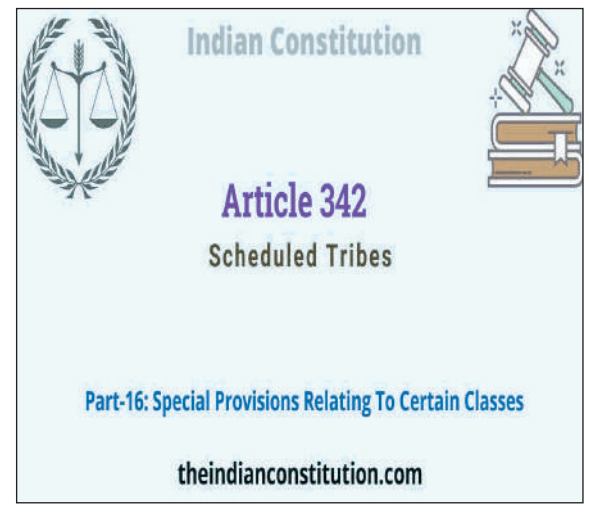

सन 1935 के भारत सरकार अधिनियम में भारतीय ईसाई वे जन समूह हैं जिन्होंने जनजातियों की जीवन पद्धति को छोड़ दिया व धर्म परिवर्तन कर लिया। उनकी गिनती बराबर से भारतीय ईसाइयों में होती रही और इन्होंने अल्पसंख्यकों के विशेष अधिकारों का भी लाभ उठाया।

चौथी लोकसभा के दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं जनजाति समाज के संसद में प्रतिनिधि डॉ कार्तिक उरांव ने जनजातियों की लोकतंत्र में पीड़ा को जाना और अपने भाव कुछ यूं व्यक्त किए - ₹भारत के वनों में कराहती आवाज को स्वतंत्र भारत पहचान नहीं सका। देश की कठोर भौगोलिक परिस्थितियों में जनजातियों के साथ ऐतिहासिक रूप से हुए शोषण को कोई पहचान नहीं सका। हरिजनों, मुसलमानों, सिखों और ईसाइयों का प्रतिनिधित्व भारतीय संसद एवं लोकतंत्र में पर्याप्त एवं उचित रहा, लेकिन जनजातियों के लिए इनमें औचित्य और मानवता नहीं जगी।"

पर्व त्योहार

सोमवती अमावस्या:- 08 अप्रैल 2024 सोमवार

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि का विशेष महत्व है। यदि इस दिन सोमवार पड़ता है तो इसे सोमवती अमावस्या के नाम से जाना जाता है।इस बार सोमवती अमावस्या सोमवार 08 अप्रैल को है। इस बार अमावस्या तिथि पर साल का पहला सूर्यग्रहण भी होगा। हालांकि, यह भारत में अदृश्य रहेगा। इसलिए सूर्य ग्रहण के ग्रहण- काल संबंधित नियम पालन की आवश्यकता भारत में नहीं रहेगी।

पुराणों में सोमवती अमावस्या का महत्व-: नारद पुराण में चैत्र मास की अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त तर्पण, पवित्र नदियों में स्नान, दान-पुण्य और दीपदान करने का बहुत महत्व है। शास्त्रों में इसे अश्वत्थ प्रदक्षिणा व्रत की भी संज्ञा दी गयी है। अश्वत्थ यानि पीपल वृक्ष। इस दिन विवाहित स्त्रियों द्वारा पीपल के वृक्ष की दूध, जल, पुष्प, अक्षत, चन्दन इत्यादि से पूजा और वृक्ष के चारों ओर 108 बार धागा लपेट कर परिक्रमा करने का विधान होता है। मान्यता है कि सोमवती अमावस्या के दिन कुछ धार्मिक उपाय करने से प्राणी के जीवन में सुख-शांति आती है।

पवित्र नदियों में स्नान-: शास्त्रों में भी स्नान करते समय सप्त नदियों, गंगा, यमुना, सिंधु, नर्मदा, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी को याद करने का विधान है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से व्यक्ति को पुण्य की प्राप्ति होती है साथ ही आरोग्य और समृद्धि भी मिलती है। स्नान का उत्तम समय सूर्योदय से पूर्व माना जाता है। मान्यता है कि सोमवती अमावस्या पर विधिवत स्नान करने से भगवान विष्णु की कृपा हमेशा बनी रहती है। यदि आप नदियों में स्नान करने नहीं जा सकते तो आप घर में ही थोड़ा सा गंगाजल नहाने के पानी में मिलाकर स्नान करें। मान्यता यह भी है कि इस दिन विधिवत स्नान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है।

सूर्य को अर्घ्य प्रदान करें-: भगवान सूर्य की पूजा शास्त्रों में बहुत ही कल्याणकारी मानी गई है। मान्यता है सूर्य पूजा से शरीर और मन के अंदर की नकारात्मकता का अंत होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसलिए हर जातक को रोज सुबह उठकर भगवान सूर्य की उपासना अवश्य करनी चाहिए। इससे जीवन में धन-वैभव और यश सदैव बना रहता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार सोमवती अमावस्या के दिन सूर्य को जल देने से पूर्व जन्म और इस जन्म के सभी पापों से मुक्ति और भगवान सूर्य नारायण की कृपा प्राप्त होती है। और पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

सोमवती अमावस्या व शिव उपासना-: सोमवती अमावस्या के दिन विशेष कर शिव की उपासना काफी कल्याणकारी मानी गई है। इस दिन शिव को उपासना करने से सभी ग्रह नक्षत्रों की अनुकूलता प्राप्त होती है व पितरों को मुक्ति मिलती हैं।

सोमवार को पड़ने वाली अमावस्या को सोमवती अमावस्या कहा जाता है। सोमवार चंद्र देवता कों समर्पित दिन है, भगवन चंद्र को मन का कारक माना जाता है अतः इस दिन अमावस्या पड़ने का अर्थ है की यह दिन मन सम्बन्धित दोषो को दूर करने के लिए उत्तम है।हमारे शास्त्रो में चंद्रमा को ही दैहिक, दैविक और भौतिक कष्टो का कारक माना जाता है, अतः यह पूरे वर्ष में एक या दो बार ही पड़ने वाले पर्व का बहुत अधिक महत्त्व माना जाता है।विवाहित स्त्रियों के द्वारा इस दिन पतियों की दीर्घ आयु के लिये व्रत का विधान है।

सोमवती अमावस्या कलयुग के कल्याणकारी पर्वो में से एक है, लेकिन सोमवती अमावस्या को अन्य अमावस्याओं से अधिक पुण्य कारक मानने के पीछे भी पौराणिक एवं शास्त्रीय कारण है।सोमवार को भगवन शिव एवं चंद्र का दिन माना जाता है।सोम यानि चन्द्रमा अमावस्या और पूर्णिमा के दिन चन्द्रमा यानि सोमांश या अमृतांश सीधे-सीधे पृथ्वी पर पड़ता है।

शास्त्रो के अनुसार सोमवती अमावस्या के दिन चन्द्रमा का अमृतांश पृथ्वी पर सबसे अधिक पड़ता है।

अमावस्या अमा और वस्या दो शब्दों से मिलकर बना है। शिव पुराण में इस संधि विच्छेद को भगवान-शिव ने माँ पार्वती को समझाया था।क्योंकि सोम को अमृत भी कहा जाता है अमा का अर्थ है एकत्रित करना और वास को वस्या कहा गया है।यानि जिसमे सभी वास करते हो वह अति पवित्र अमावस्या कहलाती है यह भी कहा जाता है की सोमवती अमावस्या में भक्तो को अमृत की प्राप्ति होती है।

निर्णय सिंधु व्यास के वचनानुसार इस दिन मौन रहकर स्नान-ध्यान करने से सहस्त्र गौ दान का पूण्य मिलता है।

शास्त्रो के अनुसार पीपल की परिक्रमा करने से ,सेवा पूजा करने से, पीपल की छाया से,स्पर्श करने से समस्त पापो का नाश,अक्षय लक्ष्मी की प्राप्ति होती है व आयु में वृद्धि होती है।

पीपल के पूजन में दूध, दही, मिठाई,फल, फूल,जनेऊ, का जोड़ा चढाने से और घी का दीप दिखाने से भक्तो की सभी मनोकामनाये पूरी होती है। कहते है की पीपल के मूल में भगवान-विष्णु तने में शिव जी तथा अगर भाग में ब्रह्मा जी का निवास है।इसलिए सोमवार को यदि अमावस्या हो तो पीपल के पूजन से अक्षय पूण्य लाभ तथा सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

इस दिन विवाहित स्त्रियों द्वारा पीपल के पेड़ की दूध,जल,पुष्प,अक्षत,चन्दन आदि से पूजा और पीपल के चारो और 108 बार धागा लपेट कर परिक्रमा करने का विधान होता है और हर परिक्रमा में कोई भी मिठाई या फल चढाने से विशेष लाभ होता है।ये सभी 108 फल या मिठाई परिक्रमा के बाद ब्राह्मण या निर्धन को दान करे।इस प्रक्रिया को कम से कम 3 सोमवती तक करने से सभी समस्याओ से मुक्ति मिलती है।इस प्रदक्षिणा से पितृ दोष का भी निश्चित समाधान होता है।

इस दिन जो भी स्त्री तुलसी या माँ पार्वती पर सिंदूर चढ़ा कर अपनी मांग में लगाती है वह अखंड सौभाग्यवती बनी रहती है।

जिन जातको की जन्म पत्रिका में कालसर्प दोष है।वे लोग यदि सोमवती अमावस्या पर चांदी के बने नाग-नागिन की विधिवत पूजा कर उन्हें नदी में प्रवाहित करे,शिव जी पर कच्चा दूध चढाये,पीपल पर मीठा जल चढ़ा कर उसकी परिक्रमा करें,धुप दीप दिखाए,ब्राह्मणों को यथा शक्ति दान दक्षिणा दे कर उनका आशीर्वाद ग्रहण करे तो निश्चित ही काल सर्प दोष की शांति होती है।

इस दिन जो लोग व्यवसाय में परेशानी उठा रहे है,वे पीपल के नीचे तिल के तेल का दिया जलाकर ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मन्त्र का कम से कम 5 माला जप करे तो व्यवसाय में आ रही दिक्कते समाप्त होती है।इस दिन अपने पितरों के नाम से पीपल का वृक्ष लगाने से जातक को सुख, सौभग्य,पुत्र की प्राप्ति होती है,एव पारिवारिक कलेश दूर होते है।

इस दिन पवित्र नदियो में स्नान, ब्राह्मण भोज, गौदान, अन्नदान, वस्त्र, स्वर्ण आदि दान का विशेष महत्त्व माना गया है इस दिन गंगा स्नान का भी विशिष्ट महत्त्व है।

माँ गंगा या किसी पवित्र सरोवर में स्नान कर शिव-पार्वती एवं तुलसी की विधिवत पूजा करें।

भगवान-शिव पर बेलपत्र, बेल फल,मेवा,मिठाई,जनेऊ का जोड़ा आदि चढ़ा कर ॐ नमः शिवाय की 11 माला करने से असाध्य कष्टो में भी कमी आती है।

प्रातः काल शिव मंदिर में सवा किलो साबुत चांवल दान करे।

सूर्योदय के समय सूर्य को जल में लाल फूल,चन्दन डाल कर गायत्री मन्त्र जपते हुए अर्घ देने से दरिद्रता दूर होती है।

सोमवती अमावस्या को तुलसी के पौधे की ॐ नमो नारायणाय जपते हुए 108 बार परिक्रमा करने से दरिद्रता दूर होती है।

जीन लोग का चन्द्रमा कमजोर है वो गाय को दही और चांवल खिलाये अवश्य ही मानसिक शांति मिलेगी।

मन्त्र जप,साधना एवं दान करने से पूण्य की प्राप्ति होती है।

इस दिन स्वास्थ्य, शिक्षा, कानूनी विवाद, आर्थिक परेशानियो और पति-पत्नी सम्बन्धि विवाद के समाधान के लिए किये गए उपाय अवश्य ही सफल होते है।

इस दिन धोबी-धोबन को भोजन कराने,उनके बच्चों को किताबे मिठाई फल और दक्षिणा देने से सभी मनोरथ पूर्ण होते है।

सोमवती अमावस्या को भांजा,ब्राह्मण, और ननद को मिठाई, फल,खाने की सामग्री देने से उत्तम फल मिलाता है।

इस दिन अपने आसपास के वृक्ष पर बैठे कौओं और जलाशयों की मछलियों को (चावल और घी मिलाकर बनाए गए) लड्डू दीजिए। यह पितृ दोष दूर करने का उत्तम उपाय है।

सोमवती अमावस्या के दिन दूध से बनी खीर दक्षिण दिशा में (पितृ की फोटो के सम्मुख) कंडे की धूनी लगाकर पितृ को अर्पित करने से भी पितृ दोष में कमी आती है।

अमावस्या के समय जब तक सूर्य चन्द्र एक राषि में रहे, तब कोई भी सांसरिक कार्य जैसे-हल चलाना, कसी चलाना, दांती, गंडासी, लुनाई, जोताई, आदि तथा इसी प्रकार से गृह कार्य भी नहीं करने चाहिए।

सोमवती अमावस्या कथा सोमवती अमावस्या से सम्बंधित अनेक कथाएँ प्रचलित हैं। परंपरा है कि सोमवती अमावस्या के दिन इन कथाओं को विधिपूर्वक सुना जाता है।एक गरीब ब्रह्मण परिवार था, जिसमे पति, पत्नी के अलावा एक पुत्री भी थी। पुत्री धीरे धीरे बड़ी होने लगी. उस लड़की में समय के साथ सभी स्त्रियोचित गुणों का विकास हो रहा था। लड़की सुन्दर, संस्कारवान एवं गुणवान भी थी, लेकिन गरीब होने के कारण उसका विवाह नहीं हो पा रहा था। एक दिन ब्रह्मण के घर एक साधू पधारे, जो कि कन्या के सेवाभाव से काफी प्रसन्न हुए। कन्या को लम्बी आयु का आशीर्वाद देते हुए साधू ने कहा की कन्या के हथेली में विवाह योग्य रेखा नहीं है। ब्राह्मण दम्पति ने साधू से उपाय पूछा कि कन्या ऐसा क्या करे की उसके हाथ में विवाह योग बन जाए। साधू ने कुछ देर विचार करने के बाद अपनी अंतर्दृष्टि से ध्यान करके बताया कि कुछ दूरी पर एक गाँव में सोना नाम की धूबी जाती की एक महिला अपने बेटे और बहू के साथ रहती है, जो की बहुत ही आचार- विचार और संस्कार संपन्न तथा पति परायण है। यदि यह कन्या उसकी सेवा करे और वह महिला इसकी शादी में अपने मांग का सिन्दूर लगा दे, उसके बाद इस कन्या का विवाह हो तो इस कन्या का वैधव्य योग मिट सकता है। साधू ने यह भी बताया कि वह महिला कहीं आती जाती नहीं है। यह बात सुनकर ब्रह्मणि ने अपनी बेटी से धोबिन कि सेवा करने कि बात कही। कन्या तडके ही उठ कर सोना धोबिन के घर जाकर, सफाई और अन्य सारे करके अपने घर वापस आ जाती। सोना धोबिन अपनी बहू से पूछती है कि तुम तो तडके ही उठकर सारे काम कर लेती हो और पता भी नहीं चलता। बहू ने कहा कि माँजी मैंने तो सोचा कि आप ही सुबह उठकर सारे काम ख़ुद ही ख़तम कर लेती हैं। मैं तो देर से उठती हूँ। इस पर दोनों सास बहू निगरानी करने करने लगी कि कौन है जो तडके ही घर का सारा काम करके चला जाता हा। कई दिनों के बाद धोबिन ने देखा कि एक एक कन्या मुँह अंधेरे घर में आती है और सारे काम करने के बाद चली जाती है। जब वह जाने लगी तो सोना धोबिन उसके पैरों पर गिर पड़ी, पूछने लगी कि आप कौन है और इस तरह छुपकर मेरे घर की चाकरी क्यों करती हैं। तब कन्या ने साधू द्वारा कही गई साड़ी बात बताई। सोना धोबिन पति परायण थी, उसमें तेज था। वह तैयार हो गई। सोना धोबिन के पति थोड़ा अस्वस्थ थे। उसमे अपनी बहू से अपने लौट आने तक घर पर ही रहने को कहा। सोना धोबिन ने जैसे ही अपने मांग का सिन्दूर कन्या की मांग में लगाया, उसके पति गया। उसे इस बात का पता चल गया। वह घर से निराजल ही चली थी, यह सोचकर की रास्ते में कहीं पीपल का पेड़ मिलेगा तो उसे भँवरी देकर और उसकी परिक्रमा करके ही जल ग्रहण करेगी.उस दिन सोमवती अमावस्या थी। ब्रह्मण के घर मिले पूए- पकवान की जगह उसने ईंट के टुकडों से 108 बार भँवरी देकर 108 बार पीपल के पेड़ की परिक्रमा की और उसके बाद जल ग्रहण किया। ऐसा करते ही उसके पति के मुर्दा शरीर में कम्पन होने लगा।

पीपल की पूजा-: पीपल के पेड़ में सभी देवों का वास होता है। अतः सोमवती अमावस्या के दिन से शुरू करके जो व्यक्ति हर अमावस्या के दिन पीपल की परिक्रमा देता है, उसके सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। माना जाता है कि अमावस्या के दिन पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। इस दिन पीपल और भगवान विष्णु का पूजन किया जाए तो सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

दान- पुण्य-: इस दिन अन्न, दूध, फल, चावल, और आवंले का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। साधु, महात्मा तथा सात्विक प्रवृत्ति के ब्राह्मणों को दान- दक्षिण देना चाहिए और उन्हें जरूरत के वस्त्र-दक्षिण भेंट करने चाहिए। स्नान- दान आदि के अलावा इस दिन पितरों का तर्पण करने से परिवार पर पितरों की कृपा बनी रहती है।

गाय की करें सेवा-: इस दिन गाय की सेवा करने से देव व पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। अतः गायों के लिए चारें व जल इत्यादि की व्यवस्था जरूर करें।।

जल्द खत्म हो सकता है विस्तारा संकट ! पायलटों की बात सुनने को तैयार एयरलाइन

परिवहन विशेष न्यूज

विस्तारा का टाटा ग्रुप की दूसरी एयरलाइन एअर इंडिया में मर्जर होने वाला है। नई एयरलाइन के सैलरी स्ट्रक्चर के हिसाब से विस्तारा के पायलटों का वेतन का कम हो जाएगा जिसका वे विरोध कर रहे हैं। पायलट ज्यादा वर्कलोड की भी शिकायत कर रहे हैं। विस्तारा के CEO का कहना है कि उनकी पायलटों से बात हुई है और यह समस्या जल्द सुलझने की उम्मीद है।

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप और सिंगापुर एयरलाइंस के मालिकाना हक वाली विमानन कंपनी विस्तारा (Vistara) इस वक्त बड़े संकट से जूझ रही है। दरअसल, विस्तारा के पायलट नए रोस्टरिंग सिस्टम और सैलरी स्ट्रक्चर से नाखुश हैं और अपना विरोध जताने के लिए सिक लीव पर चले गए हैं। इससे विस्तारा कई अहम उड़ानों का संचालन नहीं कर पा रही। उसे बहुत सी फ्लाइट कैंसिल भी करनी पड़ी है।

CEO को उम्मीद, जल्द सुलझेगा संकट

हालांकि, विस्तारा के सीईओ विनोद कन्नन (Vinod Kannan) को उम्मीद है कि यह संकट जल्द सुलझ जाएगा। उन्होंने कहा कि हम पायलटों से चर्चा के बाद मौजूदा रोस्टरिंग सिस्टम की समीक्षा करेंगे। साथ ही, सैलरी स्ट्रक्चर में भी जरूरी बदलाव किए जाएंगे। पायलटों का आरोप है कि नए रोस्टर से उन्हें आराम के लिए पर्याप्त वक्त नहीं मिल पाता, जिससे उनकी निजी जिंदगी भी प्रभावित हो रही है।

कन्नन ने इस बार पर भी जोर दिया है कि विस्तारा छोड़ने वाले अधिकारियों या फिर कर्मचारियों की संख्या में भी कोई असामान्य उछाल नहीं आया है। विस्तारा में कुल 6,500 लोग काम करते हैं, जिनमें से 1,000 पायलट हैं। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे पायलट हैं, जिन्हें ज्यादा उड़ान भरना पसंद है। लेकिन, कुछ को यह नहीं पसंद है। हम सबका फीडबैक लेकर इसमें जरूरी सुधार करेंगे।

पायलटों की शिकायत क्या है?

दरअसल, विस्तारा का टाटा ग्रुप की दूसरी एयरलाइन एअर इंडिया में मर्जर होने वाला है। पायलट मर्जर के बाद अपने नए सैलरी स्ट्रक्चर का विरोध कर रहे हैं, जिसमें उनका कम हो जाएगा। इस मर्जर का प्रभार भी कन्नन के पास ही है।

विस्तारा के पायलट सिर्फ नए सैलरी स्ट्रक्चर से नाखुश नहीं है। वे लोग यह भी चाहते हैं कि एविएशन रेगुलेटर DGCA ने पायलटों के आराम के जो नए नियम बनाए हैं, उन्हें विस्तारा भी जल्द लागू करे। साथ ही, अगर विस्तारा विस्तारा फ्लाइट की संख्या बढ़ाती है, तो एडवांस में पायलटों का बफर भी तैयार रखे।

हालांकि, मसला यह है कि विस्तारा के करीब 200 पायलट ट्रेनिंग पीरियड में है। इससे सीनियर पायलटों पर काम का बोझ अधिक है। थकाऊ काम के साथ नए सैलरी स्ट्रक्चर में उनका वेतन कम करने की तैयारी हो रही है, जिससे वे काफी नाराज हैं।

क्या अनिश्चित है पायलटों का भविष्य?

एयर इंडिया और विस्तारा का के मर्जर की प्रक्रिया अगले साल के मध्य तक पूरी होने वाली है। ऐसे में एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या मर्जर की वजह से विस्तारा के पायलटों को अपना भविष्य अनिश्चित लग रहा है। इस पर कन्नन का कहना है कि मर्जर का मकसद एयरलाइन को बड़ा और बेहतर बनाना है।

उन्होंने कहा कि विस्तारा और एअर इंडिया के मर्जर के बाद बनने वाली एयरलाइन में 400-500 विमान आ रहे हैं। इससे तो हमारे पायलटों के लिए अवसर बढ़ेंगे, उनकी नौकरी पर खतरा नहीं आएगा। उन्होंने बताया कि विस्तारा के कुछ पायलट पहले ही एअर इंडिया में चले गए हैं। कन्नन ने यह भी कहा कि विस्तारा लगातार पायलट नए कर्मचारियों को हायर भी कर रही है।

विस्तारा का फ्लाइट ऑपरेशन डांवाडोल

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पायलटों के विरोध की वजह से विस्तारा को 200 से अधिक फ्लाइट कैंसिल करनी पड़ी है। अगर फ्लाइट में देरी की बात करें, तो यह संख्या 300 के पार पहुंच गई है। इससे 30 हजार से अधिक यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी है। इन यात्रियों को विस्तारा ने या रिफंड दिया है, या फिर किसी अन्य फ्लाइट में शिफ्ट कराया है।

इससे विस्तारा को भी बड़ा नुकसान हुआ है। एक अनुमान के मुताबिक, फ्लाइट के कैंसिल और डिले होने से विस्तारा को 15 करोड़ रुपये से अधिक की चपत लगी है।

गुड़ी पड़वा के मौके पर 9 अप्रैल को इन राज्यों में बंद रहेंगे बैंक, इस हफ्ते तीन ही दिन चलेगा काम

9 अप्रैल यानी इस हफ्ते के आने वाले मंगलवार को देश के कई राज्यों में गुड़ी पड़वा के मौके बैंकिंग कामकाज नहीं होंगे। मंगलवार के बाद गुरुवार को ईद उल-फ़ित्र (Id-Ul-Fitr) के मौके पर भी बैंक हॉलिडे रहेगा। इसी हफ्ते महीने का दूसरा शनिवार भी पड़ेगा। कई राज्यों और शहरों में बैंक इस हफ्ते केवल तीन ही दिन खुलने वाले हैं।

नईदिल्ली। बैंक से जुड़े किसी काम को निपटाने का प्लान बना रहे हैं तो ये जानकारी आपके लिए बेहद काम की साबित होने वाली है। 9 अप्रैल यानी आने वाले मंगलवार को देश के कई राज्यों में गुड़ी पड़वा के मौके बैंकिंग कामकाज नहीं होंगे। मंगलवार के बाद गुरुवार को ईद उल-फ़ित्र (Id-Ul-Fitr) के मौके पर भी बैंक हॉलिडे रहेगा। इतना ही नहीं, इस हफ्ते महीने का दूसरा शनिवार भी पड़ेगा। इस वजह से बैंक में काम नहीं होगा। कुल मिलाकर इस हफ्ते भारत के कई राज्यों में केवल 3 ही दिन काम होगा।

9 अप्रैल को इन राज्यों में बंद रहेंगे बैंक

9 अप्रैल यानी आने वाले मंगलवार को गुड़ी पड़वा/उगादी महोत्सव/तेलुगु नव वर्षदिवस मनाया जा रहा है। इस मौके पर महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, हैदराबाद-आंध्रप्रदेश, हैदराबाद-तेलंगाना, मणिपुर, गोवा, जम्मू और श्रीनगर में बैंक बंद रहेंगे।

इन राज्यों में इस हफ्ते तीन दिन खुलेंगे बैंक

भारत के सभी तो नहीं, लेकिन कुछ राज्यों में गुड़ी पड़वा के अलावा, ईद-उल-फित्र की वजह से गुरुवार को भी बैंकिंग कामकाज नहीं होगा।

महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, हैदराबाद-आंध्रप्रदेश, हैदराबाद-तेलंगाना, मणिपुर, गोवा, जम्मू और श्रीनगर में इस हफ्ते तीन ही दिन काम होगा।

TCS के रिजल्ट और महंगाई के आंकड़ों के बीच अगले हफ्ते कैसा रहेगा शेयर बाजार का मिजाज?

अगले हफ्ते आईटी कंपनी TCS के रिजल्ट और महंगाई के आंकड़ों समेत कई महत्वपूर्ण डेटा आने वाले हैं। कच्चे तेल यानी ब्रेंट क्रूड का दाम भी रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया है। इससे अमेरिका में पेट्रोल की कीमतों में पिछले महीने छह प्रतिशत का उछाल भी आया है। आइए जानते हैं कि इन सबका शेयर बाजार पर क्या असर पड़ेगा और हफ्ते के बीच किस दिन मार्केट बंद रहेगा।

नई दिल्ली। इस हफ्ते शेयर बाजार का मिजाज कई फैक्टर पर निर्भर करेगा। जैसे कि विदेशी निवेशकों (FPI) का रुख और रुपये-डॉलर का भाव। लेकिन, सबसे अधिक नजर रहेगी कच्चे तेल यानी ब्रेंट क्रूड पर, जो ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। इससे अमेरिका में पेट्रोल की कीमतों में पिछले महीने छह प्रतिशत का उछाल भी आया है।

साथ ही, निवेशकों की नजर आईटी सेक्टर पर भी रहेगी, क्योंकि कई महत्वपूर्ण कंपनियां वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के रिजल्ट का एलान करने वाली हैं।

TCS के रिजल्ट, महंगाई के आंकड़ों पर नजर

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के रिसर्च हेड संतोष मीना संतोष मीना ने कहा, 'इस हफ्ते से भारतीय कंपनियां चौथी तिमाही के फाइनेंशियल रिजल्ट की जानकारी देना शुरू करेंगी। सबसे पहले 12 अप्रैल को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS Q4 Results) के नतीजे आएंगे।

आदित्या बिरला ग्रुप से 2075 करोड़ रुपये जुटाएगी वोडाफोन आइडिया, क्या शेयरों में दिखेगी

वोडाफोन आइडिया के शेयर ने पिछले 6 महीने में निवेशकों को 22 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। पिछले एक साल में इसमें 117 प्रतिशत का उछाल आया है। अब कंपनी के बोर्ड ने प्रमोटर आदित्य बिड़ला ग्रुप से 2075 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दे दी है। आइए जानते हैं कि वोडाफोन आइडिया इस पूंजी का क्या करेगी और इसका उसके शेयरों पर क्या असर हो सकता है।

नई दिल्ली। आर्थिक रूप से बदहाल टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया (Vodafone Idea) अब फंड जुटाने की कोशिश में है। इसमें उसे कुछ सफलता भी मिली है।

कंपनी ने बताया कि उसके बोर्ड ने प्रमोटर आदित्य बिड़ला ग्रुप से 2075 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दे दी है। साथ ही, उसे ऑथराइज्ड शेयर कैपिटल को 1 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने की इजाजत भी मिल गई है।

अब शेयरधारकों की मंजूरी का इंतजार

वोडाफोन आइडिया ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि वह मौजूदा प्रस्तावों पर 8 मई को एक EGM में शेयरधारकों की मंजूरी लेगी। इससे पहले कंपनी को 2 अप्रैल की EGM में सिक्योरिटीज जारी करके 20,000 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिए शेयरधारकों की इजाजत मिली थी।

वोडाफोन आइडिया का इक्विटी और डेट (कर्ज) के जरिए 45,000 करोड़ रुपये जुटाने का प्लान है। कंपनी पर बैंक कर्ज फिलहाल 4,500 करोड़ रुपये के आसपास है।

पूंजी का क्या करेगी वोडाफोन आइडिया?

वोडाफोन आइडिया टेलीकॉम मार्केट में फिलहाल रिलायंस जियो और भारती एयरटेल जैसी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों से काफी पीछे है। ऐसे में वह इक्विटी और डेट से

जुटाई रकम का इस्तेमाल अपनी सेवाओं को बेहतर करने में करेगी, ताकि वह जियो और एयरटेल का मुकाबला कर सके।

वोडाफोन आइडिया का फोकस 4G कवरेज बढ़ाने और 5G नेटवर्क रोलआउट करने पर है। वह अपनी क्षमता को भी बढ़ाना चाहती है।

वोडाफोन आइडिया का शेयर प्राइस

आखिरी कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार (5 अप्रैल) को वोडाफोन आइडिया का शेयर प्राइस 13.35 रुपये था। पिछले 6 महीने में शेयर ने निवेशकों को 22 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। पिछले एक साल में इसमें 117 प्रतिशत का उछाल आया है।

रिजर्व बैंक के नए ऐप से कितना आसान हो जाएगा सरकारी बॉन्ड में निवेश करना?

रिजर्व बैंक ने केंद्र और राज्य सरकार की सिक्योरिटीज ट्रेजरी बिल्स सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड और फ्लोटिंग रेट सेविंग में निवेश का प्रक्रिया आसान करने के लिए एक नया ऐप लाने का एलान किया। इसकी मदद से रिटेल इन्वेस्टर्स और आम लोग आसानी से निवेश कर पाएंगे। आइए जानते हैं कि आरबीआई का नया ऐप कैसे काम करेगा और इसमें क्या खासियत होगी।

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ने 5 अप्रैल की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी (MPC) की मीटिंग में EMI के मोर्चे पर जनता को कोई राहत भले ना दी। लेकिन, गवर्नर शक्तिकांत दास ने एक नया ऐप बनाने की घोषणा की। इसकी मदद से रिटेल इन्वेस्टर्स और आम जनता के लिए सरकारी बॉन्ड में पैसे लगाना काफी आसान हो जाएगा।

आइए जानते हैं कि आरबीआई का नया ऐप कैसे काम करेगा और इसमें क्या खासियत होगी।

रिटेल डायरेक्ट स्कीम ऐप होगा नाम

आरबीआई गवर्नर ने बताया कि रिटेल डायरेक्ट स्कीम ऐप (Retail Direct Scheme App) से रिटेल इन्वेस्टर्स के साथ आम जनता को रिटेल डायरेक्ट स्कीम में सीधे निवेश का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, 'यह सरल, सुलभ, सुरक्षित और सुविधाजनक होगा।'

इस ऐप के जरिए केंद्रीय बैंक सरकारी प्रतिभूतियों में खुदरा निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़ाना चाहता है। साथ ही, वह आम आदमी के लिए भी सरकारी बॉन्ड में निवेश की राह आसान करना चाहता है।

कैसे काम करेगा RBI का नया ऐप

आरबीआई के नए ऐप के जरिए आम निवेशक अपने पोर्टफोलियो को मॉनिटर कर पाएंगे। उन्हें मार्केट के डेटा को भी एक्सेस करने की सुविधा मिलेगी। केंद्रीय बैंक का कहना है कि रिटेल डायरेक्ट स्कीम ऐप में निवेशकों को यूजर-फ्रेंडली इंटरफेस मिलेगा।

इससे निवेशक बिना किसी परेशानी के अपनी पसंद की स्कीमों में पैसे लगा सकेंगे। बॉन्ड की खरीद-बिक्री कर सकेंगे।

अभी बॉन्ड में कैसे होता है निवेश?

फिलहाल, केंद्र और राज्य सरकार की सिक्योरिटीज, ट्रेजरी बिल्स, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड और फ्लोटिंग रेट सेविंग में निवेश का प्रक्रिया थोड़ी जटिल है। निवेशकों को सीधे रिटेल डायरेक्ट पोर्टल के जरिये निवेश करना होता है। लेकिन, नया ऐप आने के साथ इन्वेस्टर फोन से भी आसानी निवेश कर पाएंगे।

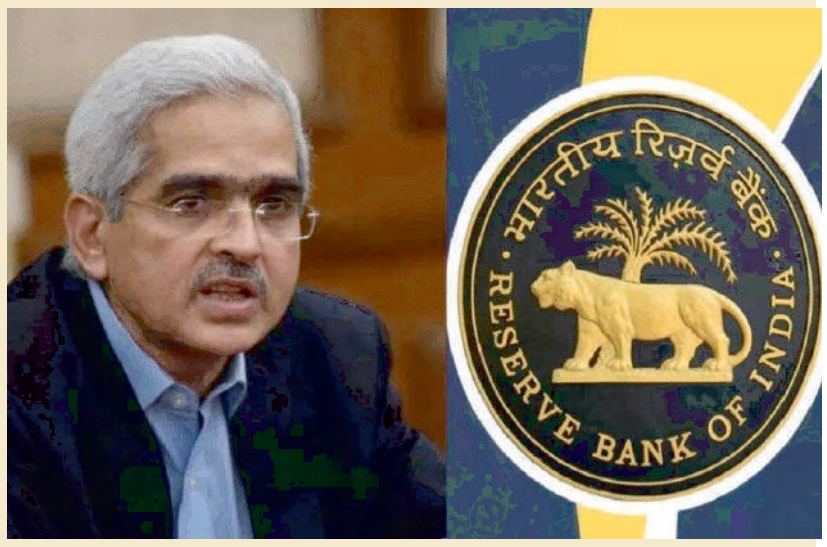

कौन हैं सिरीनी पैलिआ, विप्रो के नए सीईओ और एमडी का संभालने जा रहे कार्यभार

श्रीनि पल्लिया (Srini Pallia) भारत की तीसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी विप्रो लिमिटेड में नए सीईओ और एमडी के रूप के रूप में नियुक्त हुए हैं। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक वे कंपनी में Thierry Delaporte की जगह लेंगे। Thierry Delaporte कंपनी में मई के अंत तक कार्यरत रहेंगे। इसके बाद श्रीनि पल्लिया कंपनी में नया कार्यभार संभालेंगे।

नई दिल्ली। श्रीनि पल्लिया (Srini Pallia) भारत की तीसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी विप्रोलिमिटेड (Wipro) में नया पदाभार संभालने जा रहे हैं। उन्हें कंपनी में नए सीईओ और एमडी के रूप के रूप में नियुक्त किया गया है।

कौन हैं श्रीनि पल्लिया (Srini Pallia)

दरअसल, श्रीनि पल्लिया (Srini Pallia) तीन दशकों से विप्रो का हिस्सा रहे हैं। श्रीनि पल्लिया (Srini Pallia) वर्ष 1992 से विप्रो (Wipro) का हिस्सा रहे हैं।

हाल ही में उन्होंने कंपनी के सबसे बड़े और तेजी से बढ़ते बाजार अमेरिका 1 (Americas 1) के सीईओ के रूप में कार्य किया है।

1992 में कंपनी से जुड़ने के साथ से ही उन्होंने कई बड़े पदों के कार्यभार को संभाला है। वे विप्रो (Wipro) के कंज्यूमर बिजनेस यूनिट और बिजनेस एप्लिकेशन सर्विस के ग्लोबल हेड भी रह चुके हैं।

श्रीनि पल्लिया (Srini Pallia) ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सांइस (Indian Institute of Science, Bangalore) से अपनी बैचलर्स डिग्री इंजीनियरिंग और मास्टर्स डिग्री मैनेजमेंट स्टडीज में ली है।

श्रीनि पल्लिया (Srini Pallia) ने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल और मैकगिल एक्जीक्यूटिव इंस्टीट्यूट में कार्यकारी कार्यक्रम भी पूरा किया है।

कब से संभालेंगे नया कार्यभार

कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, श्रीनि पल्लिया (Srini Pallia) कंपनी में Thierry Delaporte की जगह लेंगे। Thierry Delaporte कंपनी में मई के अंत तक कार्यरत रहेंगे।

इसके बाद श्रीनि नया पदाभार संभालेंगे। वे न्यू जर्सी में रहेंगे और चेयरमैन रिशद प्रेमजी को रिपोर्ट करेंगे।

विरासत में मिली संपत्ति ने बनाया इन लोगों को धनवान, आज विश्व के अरबपति के रूप में होती है पहचान

नई दिल्ली। फोर्ब्स की एक कैलकुलेशन के हिसाब से वर्ष 2024 के विश्व के अरबपतियों की रैंकिंग में शामिल 2,781 लोगों में से करीब एक तिहाई लोगों को उनकी संपत्ति विरासत में मिली है।

इन 934 उत्तराधिकारियों का कुल मूल्य 5 ट्रिलियन डॉलर है।

रिपोर्ट के मुताबिक इन लोगों का यह समूह अपनी इसी संपत्ति के बदौलत कुलीन स्कूलों में जाने से लेकर अपना खुद का व्यवसाय शुरू करता है। इसके अलावा, कुछ लोग केवल बैठकर निवेश रिटर्न और मोटा लाभांस इकट्ठा करते हैं।

दुनिया की सबसे अमीर महिला फ्रांकोइस बेटेनकोर्ट मेयर्स दुनिया के 25 सबसे धनी लोगों में से सात ने कम से कम 1 अरब डॉलर की विरासत के साथ शुरुआत की है। इसमें सबसे अमीर महिला, फ्रांकोइस बेटेनकोर्ट मेयर्स, जिनकी अनुमानित कुल संपत्ति 99.5 बिलियन डॉलर है, शामिल हैं। इन्हें अपने दादा द्वारा स्थापित सौंदर्य प्रसाधन की दिग्गज कंपनी लोरियल के शेयर विरासत में मिले।

एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति, मुकेश अंबानी, जिनकी अनुमानित कुल संपत्ति 116 बिलियन डॉलर है, इन्हें इसका कुछ हिस्सा विरासत में मिला। दरअसल, कपड़ा निर्माण साम्राज्य उनके पिता द्वारा शुरू किया गया था।

अब गूगल सर्च के लिए देने होंगे पैसे ?

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। हाल ही में कंपनी गूगल सर्च को लेकर बड़ी तैयारी में लगी हुई है और कंपनी के सर्च सर्विस को फ्री में नहीं रखा जाएगा। जहां से उसके रेवेन्यू का बड़ा हिस्सा आता है। हालांकि अब कंपनी अपनी पॉलिसी में बदलाव करने पर विचार कर रही है। कंपनी फ्री फीचर्स पर चार्ज लगाने के बारे में सोच रही है। यह प्रीमियम फीचर कुछ और नहीं बल्कि जेनरेटिव एआई से आने वाले रिजल्ट पर लगाए जाने वाला है। कंपनी ने गूगल सर्च के साथ कुछ समय पहले ही जेनरेटिव एआई का स्नैपशॉट फीचर लॉन्च किया था। इस फीचर की मदद से यूजर्स को सर्च किए गए टॉपिक के बारे में एआई सर्च रिजल्ट सबसे ऊपर दिखता है।

एआई प्लेटफार्म- एआई सर्च किए गए टॉपिक की एक समरी यूजर्स को दिखाती है। हालांकि अब कंपनी इसमें बदलाव करने जा रही है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर गूगल ऐसा करती है तो यह पहला मौका होगा जब कंपनी अपने सर्च इंजन पर किसी तरह का चार्ज लगाएगी। गूगल सर्च के द्वारा कंपनी की बहुत बड़ी कमाई होती है। लेकिन चाट जीपीटी के आने के बाद से ही अपने बिजनेस पर असर को देखते हुए। एआई प्लेटफार्म को लॉन्च करते हुए लगभग डेढ़ साल हो चुके हैं और अब कंपनी अपने बिजनेस मॉडल में बड़ा बदलाव करने पर विचार कर रही है।

प्रीमियम सब्सक्रिप्शन- इससे पता चलता है कि कंपनी एआई को लेकर किस दिशा में आगे बढ़ रही है। गूगल उन ऑप्शंस को ढूंढ रही है, जिससे एआई फीचर्स को प्रीमियम सब्सक्रिप्शन के साथ जोड़ा जा सकेगा। जैमिनी असिस्टेंट का फीचर पहले से ही जीमेल और डॉक्स में दिया जा चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक, इंजीनियर्स इस टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे हैं। लेकिन कंपनी एग्जीक्यूटिव अभी इस पर अंतिम फैसला नहीं ले पाए हैं। हालांकि कंपनी का ट्रेडिशनल सर्च इंजन पहले की तरह ही फ्री रहने वाला है. वही सब्सक्राइबर्स को भी ऐड दिखाने पर विचार किया जा रहा है। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह पहला मौका है जब कंपनी अपने सर्विस को पेड करने का विचार कर रही है। एआई पावर

सर्च इंजन- चाट जीपीटी की मदद से सवालों का तेजी से और सटीक जवाब मिल जाता है। ऐसे में गूगल सर्च करना लोग बंद कर सकते हैं, जो की कंपनी के लिए काफी नुकसानदायक होगा। गूगल ने पिछले साल एआई पावर सर्च इंजन पर काम शुरू किया था। हालांकि ब्रांड इस एक्सपेरिमेंट फीचर को सर्च इंजन से जोड़ना नहीं चाहते हैं। इस तरह से सर्च रिजल्ट देने के लिए गूगल के काफी ज्यादा रिसोर्स खर्च होते हैं। ट्रेडिशनल तरीके के मुकाबला जेनरेटिव रिस्पांस में गूगल से ज्यादा कंप्यूटर रिसोर्स लगने वाले हैं। यही कारण है कि कंपनी इसे चुनिंदा यूजर्स के लिए ही ऑफर करना चाहती है।

कोंग्रेस पार्टी नेता की भरोसां मे बिजेड़ी

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

भुबनेस्वर : बिजेड़ी ने अब कोंग्रेस नेता को पार्टी टिकट देकर पुनर्वास के प्रयास तेज कर दिए हैं। पार्टी ने तीन चरणों में 108 विधायक उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की, लेकिन अभी भी 39 सीटों पर तलवार लटकी हुई है । राज्य में पहले चरण में होने वाले चुनाव में से 4 और दूसरे चरण की 5 विधानसभा सीटों पर पार्टी आज भी फैसला नहीं कर सकी ।कांग्रेस से नेता के आने के इंतजार में बिजेड़ी ने टिकट वितरण प्रक्रिया रोक रखी है । जानकारी के मुताबिक, राज्य में 24 साल से पूर्ण सत्ता पर काबिज 27 साल पुरानी पार्टी बिजेड़ी अपने नेताओं पर भरोसा नहीं कर पाई । इसलिए वे अब टिकट देने के बजाय पार्टी पर ज्यादा भरोसा कर रहे हैं । जबकि बिजेड़ी वास्तव में राज्य में 'कांग्रेस मुक्त ओडिशा' के नारे को लागू कर रही है, वह कांग्रेस से आने वाले नेताओं को पार्टी के टिकट से सम्मानित करने से पीछे नहीं हट रही है। राज्य में पहले चरण में होने वाले 28 विधानसभा क्षेत्रों में से 4 नारला, लक्ष्मीपुर, जयपुर और चटगांव अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं कर पाए हैं।

गंडिमैसमा चौराहे पर ठंडे पानी की प्याऊ का शुभारंभः

हैदराबाद। गंडिमैसमा मारवाडी युवा मंच गंडिमैसामा शाखा के द्वारा,दिनांक7-4-2024 को बढ़ती हुई गर्मी को देखते हुए गंडिमैसामा चौराहे पर दो अस्थायी ठण्डे पानी की प्याउ का शुभारम्भ किया गया ! इस कार्यक्रम में स्थानीय नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता राजशेखर यादव , नारायण गोड ,समाजसेवी मांगीलाल परिहरिया, गेरी देवी पवार ,नरेश पवार के साथ ही समाज के अन्य गण माननीये जने लोगों की उपस्थिति में विधि पूरक पूजा अर्चना कर,रिबन काटकर प्याऊ का शुभारंभ,किया गया, युवा मंच से मंगल मुलेवा, किशोर बर्फ, कैलाश सोलंकी नेमाराम राठौड ,पूराराम सीरवी, नेमाराम परिहरिया, नाथूराम, बाबूलाल ,जगदीश सोलंकी,और भी अन्य युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे, मारवाड़ी समाज से समाज सेवक मांगीलाल परिहरिया केसाराम चौधरी, सुरेश चौधरी ,भरत भाई चौधरी चोलाराम सोलंकी, गेवरराम कुमावत, रविंद्र कुमार, मित्तल मोहनलाल बर्फ ,रामविलास सोलंकी, रमेश सीरवी ,जगदीश गहलोत ,राजूराम एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

श्री अरविंद केजरीवाल जी की गिरफ्तारी के खिलाफ और केंद्र सरकार की तानाशाही को लेकर अमृतसर के भंडारी पुल पर भूख हड़ताल की गई

अमृतसर, (साहिल बेरी) अमृतसर के भंडारी ब्रिज पर आम आदमी पार्टी द्वारा भारतीय सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ पंजाब भर में भूख हड़ताल जारी है। अमृतसर लोकसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप सिंह धालीवाल विधायक डॉ अजय गुप्ता विधायक डॉ. जसबीर सिंह संधू, जिला अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन अशोक तलवार, मैडम सुखबीर कौर, मैडम शावानी शर्मा, मैडम मोनिका, एडवोकेट रमन कुमार, बलदेव वडाली, प्रभ उपल, रमन कुमार समेत कई लोग बैठे अन्य नेता जिला आम आदमी पार्टी कार्यालय के बाहर भूख हड़ताल पर बैठे और भाजपा की नीतियों की आलोचना की.

15 दिन तक चोर नड्डा की फॉरचूनर बेखौफ 9 शहरों में घुमाते रहे

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की फॉरचूनर कार चोरो ने उडा ली,और 15 दिन तक पुलिस की नाक के नीचे शहर-शहर घुमाते रहे। लेकिन पुलिस को भनक तक नहीं लगी। हरियाणा नंबर की फॉरचूनर कार 19 मार्च की रात दिल्ली के गोविंद पुरी इलाके से चोरी कर ले गए। चोरी हुई कार को बदमाश 15 दिनों के अंदर 9 अलग-अलग शहरों में घूमाते रहे। दिल्ली से लेकर उतर प्रदेश की पुलिस को ठेंगा दिखाते हुए चोर इस बीच-
अलीगढ,लखीमपुर,खीरी,बरेली,सीतापुर होते हुए वाराणसी ले गए। इसके बाद आरोपी फॉरचूनर को नागालैंड ले जाने की फिराक में थे।तभी कार चोर धर लिए गए। उल्लेखनीय है कि वीआईपी फॉरचूनर कार नंबर HP-0300021 जेपी नड्डा की पत्नि के नाम रजिस्टर्ड है। फॉरचूनर कार की तलाश में पुलिसकर्मियों की विशेष टीम का गठन किया । इसके पहले की चोर कार को नागालैंड लेकर जाते इसी बीच पुलिस ने बडखल के रहने वाले शातिर चोर शाहिद और शिवाजी त्रिपाठी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में चोरों ने खुलासा किया कि वह अपने कई साथियों के साथ क्रेटा कार से आए और कार को चुराकर ले गए। आरोपियों ने बडकल में पहले कार की नंबर प्लेट बदली ।पुलिस से बचने के लिए आरोपी शाहिद पुलिस की नजरों से बचने के लिए फरीदाबाद में पत्नी और बच्चों को बिठा लिया। जब आरोपी चोर कार को यूपी में ले गया तो चैकिंग के दौरान उसे पता चला कि ये कार भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की है। बावजूद इसके शाहिद को कोई खौफ नहीं हुआ। आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उन्होंने डिमांड पर कार को चुराया था। पुलिस की तफ्तीश में यह भी पता चला कि आरोपी शाहिद दिल्ली के मैदानगढ़ी थाने का वांटेड बदमाश है ।जिसके खिलाफ 60 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। बरेली पुलिस ने आरोपी शाहिद की बेटी सना और दामाद फारूख को कार चुराने में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

संकीर्तन से होता हैं प्रभु का साक्षात्कार :- महंत मोहन शरण शास्त्री

युवा ब्रह्मशक्ति के सदस्यों ने संरक्षक महंत मोहन शरण शास्त्री के सानिध्य में धूमधाम से मनाया होली स्नेह मिलन समारोह

परिवहन विशेष न्यूज

भीलवाड़ा। युवा ब्रह्मशक्ति मेवाड़ संगठन के सभी महिला पुरुष सदस्य जनों ने मिलकर भजन कीर्तन कर संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक महंत मोहन शरण शास्त्री के सानिध्य में बड़े ही हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ बालाबाड़ी हनुमान मंदिर प्रांगण में होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया।

युवा ब्रह्मशक्ति मेवाड़ संग की प्रदेश अध्यक्षा नीलम शर्मा ने बताया कि फाल्गुन मास में आने वाले और प्रेम प्रतीक का त्यौहार माने जाने वाले होली के पवित्र महापर्व को लेकर आज सांगानेर रोड़ स्थित बालाबाड़ी हनुमान मंदिर प्रांगण में संगठन की सभी महिलाओं ने लाल रंग की चूंदड़ पहन कर तो पुरुषों ने धवल रंग के कुर्ता पायजामा पहन कर गांधी नगर स्थित निम्बार्क आश्रम के महंत एवं युवा ब्रम्हशक्ति मेवाड़ के राष्ट्रीय संरक्षक महंत मोहन शरण शास्त्री के सानिध्य में सभी ने मिलकर अपरान्ह 4 बजे ढोलक ताल मंजीरों की थाप व धुन पर भजन कीर्तन किया। वही महिलाओं को भगवा उपरणा तो पुरुषों को केशरिया उपरणा ओढ़ाकर गुलाब पुष्प की पंखुड़ियों और गुलाल अबीर से एक दूजे को होली खिलाकर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ होली स्नेह मिलन समारोह मनाया।

इस दौरान बालाबाड़ी हनुमान मंदिर में बतौर संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक के रूप में पधारे निम्बार्क आश्रम के महंत मोहन शरण शास्त्री ने अपने मुखारविंद से भक्तों के समक्ष श्रीमद्भागवत महापुराण के अंतिम श्लोक में संकीर्तन की महिमा का वर्णन करते हुए कहां की रनाम संकीर्तनं यस्य सर्व पाप प्रणाशनम। प्रणामो दुःख शमनस्तं नमामि हरिं परम्। ।र महंत शास्त्री ने इस पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया की स्वयं भगवान वेदव्यास ने श्रीमद्भागवत महापुराण के अंतिम श्लोक में संकीर्तन की महिमा का वर्णन करते हुए लिखा था कि ईश्वर नाम का संकीर्तन से व संकीर्तन करने वाले और सुनने वाले को ही नहीं अपितु स्वयं भगवान को भी संकीर्तन से आनंद प्राप्त होता हैं। और जब स्वयं भगवान प्रसन्न होते हैं तो भक्तों से उनका साक्षात्कार भी होता हैं। इसलिए हमेशा भगवान का संकीर्तन करना चाहिए।

तद्पश्चात संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक महंत मोहन शरण शास्त्री ने हनुमान जी महाराज की महाआरती कर बालाजी को चूरमा बाटी का भोग लगाया। बाद इसके उपस्थित संग के सभी सदस्यों ने महाप्रसाद पाकर बड़े ही हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ होली स्नेह मिलन का जमकर आनंद उठाया।

इस अवसर पर महंत मोहन शरण शास्त्री, महिला प्रदेश अध्यक्षा नीलम शर्मा, जिलाध्यक्षा सुनीता शर्मा, जिला उपाध्यक्षा पूजा शर्मा, जिला संरक्षक गोपाल नागर, वरिष्ठ सलाहकार बृजराज कृष्ण उपाध्याय, जिलाध्यक्ष कमलेश पालीवाल, दिनेश कुमार शर्मा, महामंत्री अशोक श्रोत्रिय, सीमा त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष रवि शर्मा, गोपाल गर्ग, देवराज शर्मा, उपाध्यक्ष किशन शर्मा, सीमा त्रिपाठी सहित संगठन की कार्यकारिणी के सभी महिला पुरूष सदस्य मौजूद रहे।

WHO थीम 'मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार' हेल्थ सैक्टर ही बीमार

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

चीन अरब हमारा ,रहने को घर नहीं, सारा जहां हमारा की तसल्ली पर राजधानी दिल्ली का हेल्थ सेक्टर पूरी तरह से राम भरोसे चल रहा है।रविवार को वल्ड हेल्थ डे था।खानापूर्ति के बतौर, मंचो से बडी-बडी मेडिकल चर्चाए की गई। मीडिया में एक दिन की सुर्खिया बटोरी और फिर वही ढाक के तीन पात। ये ही सच्चाई है ,मेरा स्वास्थ्य-मेरा अधिकार की ही बात करें तो देश की राजधानी दिल्ली में हेल्थ को लेकर खिलवाड किया जा रहा है। हाईजीनिक प्रिकॉशन तो दूर उल्टे अस्पताल के एक-एक बेड पर तीन-तीन मरीजों को लिटाया जाता है।राजधानी दिल्ली में 1 हजार की आबादी पर कायदे से कम से कम 5 बेड होने चाहिए। लेकिन आबादी के अनुपात में कुल 2.70 ही बेड है। 57686 बेड में से 46 फीसदी बेड प्राईवेट सेक्टर के पास हैं। अब दिल्ली सरकार की बात करें तो 24.7 फीसदी बेड है। इस पर सरकारी फैसिलिटी पर गौर करें तो 383 से ज्यादा वैंटिलेटर तो काम ही नहीं कर रहे। वहीं दिल्ली सरकार के 38 अस्पताल में 6 में तो अब तक एक्सरे मशीन भी नहीं है। इसके अलावा अस्पताल की चमकदार बिल्डिंग तो है पर ऑपरेशन थिएटर तक नहीं है। बाहरी दिल्ली के हाईवे के साथ लगे गांव नरेला के अस्पताल में ट्रामा सेंटर तक नहीं है। एक्सीडेंट , जलने वाले केस से लेकर महिलाओ के लिए जच्चा-बच्चा वार्ड तक की सुविधाए अब तक नहीं मुहैया की गई है।इमरजेंसी में आने वाले केसों को देने के लिए प्राथमिक चिकित्सा तक देने को नहीं है। प्रसुता, प्रेगनेंट महिलाओ तक को टालने की प्रवृति के चलते दिल्ली से 45 किलोमीटर दूर एलएनजेपी, हिंदुराव,सफदरजंग अस्पताल में रेफर कर दिया जाता है। ऐसी सूरत में अस्पताल के डाक्टर की मरीज के प्रति कोई, जवाबदेही तक नहीं है। वल्ड डे की थीम मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार, जो राजधानी के मामले में ही हकीकत से कोसों दूर है। तो देश के राज्यों में हेल्थ की स्थिति जग जाहिर है।राजधानी दिल्ली में बेहतर हेल्थ के लोक लुभावन तराने गाने के पीछे की हकीकत की रिपोर्ट खासी चौकाने वाली है।हेल्थ विशेषज्ञ डॉक्टर एके झिंगन का कहना है कि हेल्थ सैक्टर सरकार की जिम्मेदारी है। वहीं दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष गिरीश त्यागी ने दो टूक शब्दों में यह तक कह डाला कि अस्पतालों में इंफ्रास्ट्रक्चर ही नही है। बता दें कि नरेला और आस-पास के सैंकडों गांवों में रहने वाले लोगों ने स्वास्थ्य मंत्री से लेकर एलजी वीके सक्सेना तक को नरेला के राजा हरीश चन्द्र अस्पताल में मैट्रेरिटी, से लेकर इमर्जेंसी ,एक्सरे,पैथलैब से लेकर आप्रेशन थिएटर की जरूरी सुविधाए मुहैया कराने के लिए लिखित शिकायत पत्र दे चुके है पर यहां तो स्वास्थ्य के प्रति नागरिक अधिकार की बात तो दूर सरकारी ड्यूटी तक नादारद है। स्टाफ की खासी कमी है। राजधानी दिल्ली के पिछले इकॉनमिक सर्वे के मुताबिक 1153 इंस्टीटयूट में कुल 57686 बेड है।इनमें दिल्ली सरकार के अस्पतालों में 24.7 % बेड्स है। वहीं केंद्र सरकार के अस्पताल में 22.8 % बेड्स बताए गए है। इसके अलावा निजी क्षेत्र के अस्पताल में 46.2% बेड्स हैं। इसके अलावा लोकल बॉडिज क्षेत्र में 6.3 % बेड्स हैं। ऐसी हालत में WHO की इस साल की थीम 'मेरा स्वास्थ्य-मेरा अधिकार' कहीं भी टिकता दिखाई नही दे रहा है। लोग सरकारी अस्पतालों में बरती जा रही लापरवाही से तंग होकर निजी अस्पतालों की तरफ रूख कर रहे हैं। वह बेहतर हेल्थ सेवा और जान बचाने के लिए पैसा खर्च करना ज्यादा उचित समझते है। कहने को तो बजट की कोई कमी नहीं के रटे- रटाए गाने गाए जाते है। लेकिन हैल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर दम तोडने को तैयार है। इसके लिए टेक्नॉलिजी का इस्तेमाल करके मरीजों की दिक्कतें कम की जा सकती है। कोरोना काल में अपनाई तकनीकी के तहत अस्पतालों में उपलब्ध बेड की जानकारी देने के लिए परमानेंट डैश बोर्ड बना दिया जाना चाहिए। ताकि जहां बेड खाली हो ,मरीज सीधे वहीं जाए। इस तरह के इंफ्रास्ट्रक्चर से मरीजों को बेहतर और समय पर इलाज दिया जा सकेगा।

अखिल भारतीय आचार्य ब्राह्मण सेवा संघ की बैठक आयोजित हुई

सेवा संघ का सामूहिक विवाह सम्मेलन देवउठनी ग्यारस का प्रस्तावित : देवकिशन आचार्य

जयपुर। अखिल भारतीय आचार्य ब्राह्मण सेवा संघ जयपुर शाखा भीलवाड़ा की मीटिंग का आयोजन किया गया मीडिया प्रभारी अनूप शर्मा ने बताया की इसमें संरक्षक महोदय हरवंश जी आचार्य तहसीलदार साहब टोंक एवं अध्यक्षता श्रीमान प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय आचार्य ब्राह्मण सेवा संघ जयपुर देवकिशन जी आचार्य ने की इसमें निम्न बिंदुओं पर सहमति बनी एवं विचार विमर्श हुआ

1. अखिल भारतीय आचार्य ब्राह्मण सेवा संघ का सामूहिक विवाह सम्मेलन दिनाक 12-11-2024 वार मंगलवार (देवउठनी ग्यारस)भीलवाड़ा में रखा गया प्रस्तावित किया

इसमें पूरे भारत के आचार्य ब्राह्मण समाज का युवा युक्तियों का विवाह संपन्न किया जाएगा और लक्ष्य 501 रखा गया

2. आचार्य ब्राह्मण समाज राजस्थान के अंदर जो झगड़ा प्रथा एवं जो समाज में फैली कुरितियां का निराकरण करने के लिए दिनाक26 /05/ 2024 में ग्राम कादीशहाना भीलवाड़ा में सभा रखी जाएगी एवं समस्या निराकरण किया जाएगा।

क्या भारतवासी जानते हैं की सरकार बनाने के लिए कितने एमपी चाहिए ?

भाजपा को छोड़ कर

कोई भी पार्टी पूर्ण बहुमत के प्राप्त करने के लिए चुनाव लड़ ही नही रहे क्योंकी बहुमत के लिए 273 सीट चाहिए और आपकी जानकारी हेतु

कांग्रेस कुल 230 सीटो पर

सपा 37,
माया 37,
लालू 20,
ममता 42 सीटो पर सीटों पर चुनाव लड़ रही है।
उद्धव ठाकरे को पुछो मत

इसका अर्थ क्या लगाया जाए क्या राजनीतिक दल सरकार बनाने की इच्छा से चुनाव नही लड़ रहे, अब सवाल यह उठता है की फिर उनके दिल दिमाग में है क्या ?

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023